सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आग़ाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्ष: 16 अंक: 41 | लखनऊ शुक्रवार 14 नवम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1रुपये

भूटान से लौटते ही अस्पताल पहुंचे पीएम मोदी, ब्लास्ट के घायलों से मिले

बख्शा नहीं जाएगा षड्यंत्रकारी

एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल पहुंचे प्रधानमंत्री

भूटान से दिल्ली लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी बिना किसी देरी के एयरपोर्ट से सीधे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घायलों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उन्हें हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। अस्पताल में फिलहाल 20 से अधिक घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि अब तक इस विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो चुकी है।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुआ था धमाका

सोमवार, 10 नवंबर की शाम, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली उस समय दहल उठी जब लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया। दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा से लौटने के बाद सीधे दिल्ली के एलएनजेपी हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उन्होंने दिल्ली ब्लास्ट में घायल लोगों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने अस्पताल के डॉक्टरों और अधिकारियों से घायलों की स्थिति की जानकारी भी ली। एयरपोर्ट से सीधे अस्पताल पहुंचे प्रधानमंत्री भूटान से दिल्ली लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी बिना किसी देरी के एयरपोर्ट से सीधे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घायलों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उन्हें हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। अस्पताल में फिलहाल 20 से अधिक घायलों का इलाज चल रहा है, जबकि अब तक इस विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो चुकी है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुआ था धमाका सोमवार, 10 नवंबर की शाम, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली उस समय दहल उठी जब लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया। दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। 'बख्शा नहीं जाएगा कोई भी षड्यंत्रकारी' भूटान से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया में इस धमाके को भयावह बताया।

गुजरात के भरूच में हादसा

दवा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से दो मजदूरों की मौत, करीब 20 कर्मी जख्मी

गुजरात,(एजेंसी)। गुजरात के भरूच जिले में बुधवार तड़के एक दवा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम दो श्रमिकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्टरी में बॉयलर फटने और उसके बाद आग लगने से दो श्रमिकों की मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में 20 कर्मियों के घायल होने की सूचना है। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सायखा जीआईडीसी इलाके में स्थित फैक्ट्री में तड़के करीब 2.30 बजे हुई। भरूच के जिला कलेक्टर गौरांग मकवाना ने कहा, श्फैक्ट्री के अंदर एक शक्तिशाली बॉयलर विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई।श उन्होंने बताया कि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। धमाके के बाद ढह गई फैक्टरी की इमारत उन्होंने कहा, श्विस्फोट इतना जोरदार था कि फैक्टरी की पूरी इमारत ढह गई। ज्यादातर मजदूर किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे, लेकिन दो फंस गए और उनकी मौत हो गई। आग बुझने के बाद उनके शव मलबे से बरामद किए गए। इस घटना में लगभग 20 मजदूर मामूली रूप से घायल हुए हैं।श हादसे के बाद घटनास्थल की जांच जारी जिला कलेक्टर गौरांग मकवाना ने बताया कि दमकल विभाग, पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें घटनास्थल की गहन जांच कर रही हैं क्योंकि कुछ मजदूरों ने दावा किया है कि विस्फोट के बाद एक व्यक्ति लापता हो गया है और संभवतः इमारत के अंदर फंस गया है। फैक्टरी के लाइसेंस और अनुमति की जांच जारी जिला कलेक्टर गौरांग मकवाना के अनुसार, औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशक (डीआईएसएच) के अधिकारी भी घटना की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

एग्जिट पोल को दरकिनार कर तेजस्वी बोले–लिख लो, 14 नवंबर को मैं बनूंगा मुख्यमंत्री

पटना,(एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि जनता ने इस बार स्पष्ट रूप से बदलाव के पक्ष में मतदान किया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर

जारी एग्जिट पोल भले ही अलग–अलग नतीजे दिखा रहे हों, लेकिन महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरा तेजस्वी यादव ने सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस बार पूरी मजबूती से बदलाव के पक्ष में मतदान किया है और महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, शबिहार की जनता का आशीर्वाद हमें मिल चुका है। आप लोग मेरी बात लिख लीजिए, 14 नवंबर को मैं मुख्यमंत्री बनने जा रहा हूं।श उन्होंने आगे कहा कि इस बार लोगों का उत्साह और समर्थन 1995 से भी बेहतर देखने को मिला है। जनता ने भारी मतदान कर मौजूदा सरकार के खिलाफ वोट दिया है। यह जनता का स्पष्ट जनादेश है कि अब बिहार में बदलाव तय है।महागठबंधन के नेता ने कहा कि वे सबसे पहले सभी सहयोगी दलों, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का दिल से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़–चढ़कर भाग लिया। तेजस्वी ने कहा कि लोगों ने बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है और आने वाला परिणाम बिहार की नई दिशा तय करेगा। तेजस्वी यादव ने एग्जिट पोल पर कहा, ष्हमने पहले भी कहा था।

विश्वकप टॉफी का स्वागत करते हुए बोले सीएम योगी

ये स्वर्णिम इतिहास का स्मरण कराने वाला क्षण

लखनऊ,(एजेंसी)। भारत की मेजबानी में चेन्नई और मदुरई में 28 नवंबर से दस दिसंबर तक जूनियर हॉकी विश्वकप का आयोजन किया जाएगा। जिसकी ट्रॉफी बुधवार को लखनऊ पहुंची। स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। देशभर के विभिन्न शहरों से होते हुए जूनियर हॉकी विश्वकप की ट्रॉफी बुधवार को लखनऊ पहुंची। ट्रॉफी के स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा, ष्उत्तर प्रदेश में इस ट्रॉफी का आना उत्तर प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण करवाने वाला क्षण भी है। हॉकी इंडिया में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्मरणीय है। हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद ने इसी उत्तर प्रदेश की धरती पर जन्म लिया था... उत्तर प्रदेश के अंदर ही मेजर ध्यानचंद की इन स्मृतियों को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय के निर्माण का कार्य कर रही है... इसके साथ ही भारतीय हॉकी से जुड़े हुए और भारतीय हॉकी के बहुत ही यशस्वी खिलाड़ी के.डी. सिंह बाबू का जन्म भी उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए बाराबंकी में स्थित उनके पैतृक आवास को एक बेहतर म्यूजियम के रूप में बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान में कार्रवाई कर रही है।ष मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश हॉकी खिलाड़ियों का भी जिक्र किया और कहा कि प्रदेश ने अनेक ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने हॉकी इंडिया को सम्मान दिलाया। सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद शाहिद, अशोक कुमार, रवींद्र पाल, सैयद अली, डॉ. आरपी सिंह, सुजीत कुमार, अब्दुल अजीज, सुबोध खांडेकर, रजनीश मिश्र, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एमपी सिंह, जगवीर सिंह, राहुल सिंह, विवेक सिंह, ललित उपाध्याय, दानिश मुतजबा, राजकुमार पाल, प्रेम माया, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, प्रीति दुबे जैसे हॉकी के खिलाड़ियों के योगदान को भी याद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान में भी उत्तर प्रदेश के राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति, पूर्णिमा महिला व पुरुष वर्ग की सीनियर–जूनियर भारतीय टीम में चयनित होकर प्रदेश और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से जुड़े समस्त पदाधिकारियों का लखनऊ आगमन पर स्वागत करते हुए एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के सफल आयोजन की भी शुभकामना दी। उन्होंने विश्वकप में भारतीय खिलाड़ियों के सफलता की मंगलकामना भी की। जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में 24 टीमें हिस्सा ले रहीं बता दें कि भारत की मेजबानी में चेन्नई और मदुरई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप का आयोजन किया जाएगा।

72 घंटे का अल्टीमेटम, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को झटका

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को वह विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है, जिसमें अन्य च्यवनप्राश को श्धोखाश बताया गया था। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को निर्देश दिया कि वह 1तीन दिन में सभी इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और प्रिंट मीडियम से इस विज्ञापन को हटाए। हाई कोर्ट ने कहा, विज्ञापन के जरिए यह संदेश देना कि सिर्फ पतंजलि का ही प्रोडक्ड असली है और दूसरे धोखा है, यह गलत है और सामान्य तौर च्यवनप्राश की सभी कैटिगरी को बदनाम करता है।

जस्टिस तेजस करिया ने कहा, कोई भी शख्स अगर आयुर्वेदिक प्रोडक्ट का निर्माण कानून और उसमें दर्ज नियमों का पालन करते हुए करता है, तो उसके प्रोडक्ट को भ्रामक बताकर बदनाम नहीं किया जा सकता, जब कानून उसे अच्छी और स्वीकार्य आयुर्वेदिक औषधि मानता है। डाबर इंडिया पतंजलि द्वारा जारी किए गए 25 सेकंड के विज्ञापन से व्यथित था, जिसका शीर्षक था 51 जड़ी–बूटियाँ। 1 सत्य। पतंजलि च्यवनप्राश! पतंजलि के विज्ञापन में, एक महिला अपने बच्चे को च्यवनप्राश खिलाते हुए कहती है, चलो धोखा खाओ। इसके बाद, रामदेव कहते हैं, अधिकांश लोग च्यवनप्राश के नाम पर धोखा खा रहे हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह विज्ञापन एक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन, अर्थात् च्यवनप्राश से संबंधित है और योग एवं वैदिक प्रथाओं के जाने–माने विशेषज्ञ रामदेव द्वारा प्रस्तुत इस विज्ञापन के एक सामान्य दर्शक पर, उनका यह दावा कि केवल उनका उत्पाद ही असली च्यवनप्राश है, एक गहरी छाप छोड़ सकता है।

फट गए फेफड़े और आंतें

ब्लास्ट वेव से फटे कान के पर्दे, सामने आई मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके में मारे गए लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट दिल दहलाने वाली है। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक रही कि ब्लास्ट वेव से कई लोगों के कान के पर्दे, फेफड़े और आंतें फट गईं। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार धमाके में मारे गए लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है। मृतकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट दिल दहलाने वाली है। रिपोर्ट में सामने आया है कि मृतकों के फेफड़े और आंतें तक फट गईं। इसके अलावा कानों के पर्दे भी फटे मिले हैं। बताया तो यहां तक भी जा रहा है कि मृतक उड़कर दीवार में टकरा गए थे। ब्लास्ट में मारे गए लोगों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने झकझोर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई शवों में हड्डियां टूटने, फेफड़ों, पेट के अंदरूनी हिस्सों में ब्लास्ट वेव से नुकसान हुआ है। कई के सिर पर गहरी चोट भी मिली है। धमाके से मृतकों के कान के पर्दे फट गए। रिपोर्ट से साफ है कि धमाका बेहद भीषण हुआ था। फेफड़ों, कान और पेट के भीतर ब्लास्ट वेव से नुकसान पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके की तीव्रता इतनी अधिक रही कि ब्लास्ट वेव से कई लोगों के कान के पर्दे, फेफड़े और आंतें फट गईं। दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कुछ शवों में फेफड़ों, कान और पेट के भीतर ब्लास्ट वेव से नुकसान के संकेत मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि धमाका अत्यंत नजदीक से हुआ। किसी भी विस्फोट के समय अत्यधिक दाब और तापमान से उत्पन्न गैसीय लहर को ब्लास्ट वेव कहते हैं। नए या संशोधित विस्फोटक की आशंका फोरेंसिक विशेषज्ञ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिल रहे हैं कि धमाके में संभवत कोई नया या संशोधित विस्फोटक इस्तेमाल किया गया है।

आपदा प्रभावित देशों की सूची में 9वें नंबर पर भारत, पिछले 30 वर्षों में 80,000 मौतें, 1.3 अरब प्रभावित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पिछले तीन दशकों में जलवायु आपदाओं से सर्वाधिक प्रभावित देशों में भारत नौवें स्थान पर है, जहां लगभग 430 बार प्राकृतिक रूप से असहनीय मौसमी घटनाओं के कारण

80,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। वहीं इसके कारण करीब 1.3 अरब लोग प्रभावित भी हुए हैं। पढ़ें, भारत में आपदाओं की सूची... भारत दुनिया के उन दस देशों में शामिल है, जो बीते तीन दशकों में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पर्यावरण थिंक टैंक जर्मनवॉच की नई रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स (सीआरआई) 2026 के मुताबिक, 1995 से 2024 के बीच भारत में करीब 430 मौकों पर प्राकृतिक रूप से असहनीय मौसम की घटनाओं ने 80 हजार से अधिक लोगों की जान ली और 1. 3 अरब से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया। आपदाओं से भारत को 14 लाख करोड़ का नुकसान इन आपदाओं से भारत को लगभग 170 अरब डॉलर (करीब 14 लाख करोड़ रुपये) का आर्थिक नुकसान हुआ है। यह रिपोर्ट ब्राजील के बेलेम शहर में आयोजित कॉप 30 सम्मेलन में मंगलवार को जारी की गई।

'जमीन ही जीत की रहेगी असली मुद्रा'

एआई में प्रतिभा की कमी, हम सैनिकों को बनाएंगे विशेषज्ञ, सैन्य बलों के भविष्य पर बोले सेना प्रमुख

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली डिफेंस डायलॉग में बोलते हुए थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साफ कहा कि तकनीक जरूरी है, लेकिन इंसान केंद्र में रहना चाहिए। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि भारत की रक्षा नीति को जमीन की हकीकत और तकनीक के तालमेल से आगे बढ़ना होगा, जहां स्मार्ट मशीनें और सैनिक साथ कदम बढ़ाएं। दिल्ली डिफेंस डायलॉग में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज भारतीय सेना की भविष्य की दिशा, तकनीकी बदलावों और मानव–केंद्रित दृष्टिकोण पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में श्तकनीक और भूगोल का मेलश यानी टेक्नोलॉजी और जमीन दोनों का संतुलन बेहद जरूरी है। 'जमीन ही जीत की रहेगी असली मुद्रा' जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए जमीन ही विजय की मुद्रा बनी रहेगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, श्जब ट्रंप और पुतिन की मुलाकात अलास्का में हुई थी, तब भी चर्चा जमीन पर ही हुई थी। तकनीक हमें जमीन पर ही लाभ देनी चाहिए, चाहे वह विनाश हो, कब्जा हो या बेदखली।श उन्होंने आगे कहा, श्हम जिस स्थिति की कल्पना कर रहे हैं, उसमें श्स्मार्ट बूट्स ऑन ग्राउंडश और श्बॉट्सश दोनों साथ होंगे। यानी सैनिक और मशीनें मिलकर काम करेंगी, श्माइंड इन द क्लाउड, आइज इन द स्काईश। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध के दौरान कभी–कभी तकनीक विफल भी हो सकती है, इसलिए सैनिकों को बिना तकनीक के भी लड़ने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने इसे श्क्लाउड–सेंट्रिक और नेटवर्क–सेंट्रिक वॉरफेयरश का मिश्रण बताया।श श्इंडस्ट्री 5.0– इंसान को केंद्र में रखती तकनीकश सेना प्रमुख ने आगे कहा कि अब दुनिया इंडस्ट्री 4.0 से आगे बढ़कर इंडस्ट्री 5.0 की ओर जा रही है। उन्होंने समझाया, श्इंडस्ट्री 4.0 में एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसी चीजों पर बात होती थी। लेकिन 5.0 ने यह महसूस किया कि तकनीक को इंसान की जगह नहीं लेनी चाहिए।

राम नाम की महिमा और सती भस्म की कथा का हुआ भावपूर्ण वर्णन

लालगंजरायबरेली। लालगंज नगर के संस्कृत विद्यालय में श्री राम कथा का आयोजन चल रहा है। श्री राम कथा के प्रथम पावन दिवस पर बोलते हुए व्यास मंच से साध्वी निशु भारद्वाज (अयोध्या धाम) ने कहा कि हिंदू धर्म में राम नाम को सबसे पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है। वेद पुराण, शास्त्रों में उल्लेख है कि राम नाम का जाप करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। एक कथा के अनुसार, भगवान शिव की पत्नी सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में जाने के लिए पति की अनुमति नहीं ली, जिससे शिव ने उन्हें भस्म कर दिया। सती के पुनर्जन्म के बाद, शिव ने राम नाम का जाप किया और सती के भस्म से लिंडेश्वर महादेव की उत्पत्ति हुई।सती भस्म की महिमा की भी शास्त्रों में अनोखा उल्लेख है। सती भस्म को अत्यंत पवित्र माना जाता है।इसे चंदन की तरह शरीर पर लगाया जाता है। इसका तिलक लगाने से आत्मशुद्धि होती है और भय दूर होता है। शिव भक्त इसे शुद्ध भस्म (विभूति) के रूप में उपयोग करते हैं। वही साध्वी जी ने राम नाम की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि राम नाम का प्रभाव असाधारण और असीमित है ।राम नाम से अज्ञान का अंधकार दूर होता है। यह जीवन को पवित्र और शांत बनाता है।इस प्रकार, राम नाम और सती भस्म दोनों ही हिंदू धर्म में श्रद्धा और शक्ति के प्रतीक हैं। प्रथम पावन दिवस पर मुख्य अजमान की भूमिका व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा और उनकी पत्नी ने निभाया। वही लालगंज क्षेत्र के प्रसिद्ध शास्त्रों के ज्ञाता चिलौला निवासी पंडित शिव प्रकाश पांडे ने श्री राम कथा में संचालन की अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष महेश शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपेंद्र गुप्ता, व्यापार मंडल के संगठन मंत्री मृत्युंजय बाजपेई, अप्पू शर्मा, शिवम गुप्ता, हरिनाम सिंह, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह मुन्ना, सुरेश सिंह आचार्य, कल्लू बाजपेई, हरेश त्रिपाठी,विजय शंकर मिश्रा, शिवसागर चौधरी आदि सैकड़ो भक्तगण मौजूदरहे।

महिला का फंदे से लटका मिला शव,मायके पक्ष ने ससुरालजनों पर हत्या का आरोप लगाया

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में एक महिला का फंदे से लटकता शव मिला। बुधवार सुबह हुई इस घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के मायके पक्ष ने ससुरालजनों पर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। मामला उरई कोतवाली क्षेत्र के इंदिरा नगर मोहल्ले का है। जानकारी के अनुसार, इंदिरा नगर निवासी सोनू वर्मा की शादी 4 मई 2023 को सिहारी दाउदपुर निवासी मोहिनी से हुई थी। दंपती की 10 माह की एक बेटी भी है। बताया गया कि दो दिन पहले मोहिनी के पिता शिवकुमार की तबीयत खराब हो गई थी। मंगलवार को सोनू अपने ससुर को देखने उनके घर जा रहा था। मोहिनी ने पति के साथ चलने की इच्छा जताई, लेकिन सोनू उसे साथ नहीं ले गया और अकेला ही चला गया। घर लौटने के बाद इसी बात को लेकर पति–पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी। बुधवार सुबह करीब चार बजे मोहिनी कमरे में साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति सोनू की नींद खुलने पर उसने पत्नी को फंदे पर लटका देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलने पर सीओ अर्चना सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता शिवकुमार ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की हत्या कर ससुरालजनों ने शव को फंदे पर लटकाया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

15 दिन के नवजात का शव तालाब में मिला,पुलिस ने मां को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के गोहन थाना क्षेत्र के कासिमपुर गांव में मंगलवार को गायब हुए 15 दिन के नवजात शिशु का शव बुधवार दोपहर गांव के तालाब में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस ने शिशु के शव को बाहर निकाला और कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वही पुलिस ने शिशु की मां, नाना सहित कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, गोहन थाना क्षेत्र के कासिमपुर के रहने वाले राजेश कुमार उर्फ दिनेश राठौर की पुत्री आरती देवी की शादी दो साल पहले रूपापुर निवासी संतोष राठौर, पुत्र कमल प्रताप राठौर से हुई थी। शादी के शुरुआती कुछ दिन सबकुछ ठीक–ठाक रहा, लेकिन बाद में संतोष से आरती का विवाद शुरू हो गया, इस बीच आरती ने एक पुत्र को जन्म दिया, कुछ दिन तक दोनों में ठीक रहा लेखन फिर विवाद हुआ, जिसके बाद आरती अपने बच्चे को ससुराल छोड़कर मायके कासिमपुर चली आई, जिस समय आरती मायके पहुंची, उस समय गर्भवती थी। आरती ने 27 अक्टूबर को एक पुत्र को जन्म दिया था। घर में नवजात की किलकारियों से खुशी का माहौल था, लेकिन यह खुशी अधिक दिनों तक टिक नहीं सकी। मंगलवार दोपहर जब आरती खाना खा रही थी और उसका तीन सप्ताह का नवजात पास ही चारपाई पर सो रहा था, तभी वह अचानक गायब हो गया। जब घरवालों की नजर बच्चे की खाली चारपाई पर पड़ी तो चीख–पुकार मच गई। पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर थाना प्रभारी सतीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों व परिजनों की मदद से बच्चे की तलाश शुरू की। देर रात तक खोजबीन चलती रही, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने शक के आधार पर बच्चे के नाना राजेश कुमार और पिता संतोष राठौर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। बुधवार दोपहर ग्रामीणों ने गांव के तालाब में कीचड़ के बीच फंसा नवजात का शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

डीएम ने किसानों से पराली न जलाने की अपील की

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे फसल कटाई के बाद खेतों में पराली (फसल अवशेष) न जलाएं। उन्होंने कहा कि पराली जलाना पर्यावरण के लिए हानिकारक है और मिट्टी की उर्वरता को भी नष्ट करता है। यह प्रकृति चक्र में बाधा डालता है, जिससे भूमि की उत्पादकता घटती है। जिलाधिकारी ने समझाया कि पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद प्राकृतिक कार्बन तत्व और सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इससे खेतों की सेहत बिगड़ती है और फसलों की पैदावार प्रभावित होती है। इसके अतिरिक्त, वायु प्रदूषण बढ़ने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ती हैं। सर्द मौसम में कोहरे और धुएं के मिश्रण से दृश्यता कम होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पराली जलाना प्रतिबंधित है। सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (छळज) के आदेशों के तहत इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पराली जलाने वाले किसानों पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (जुर्माना) लगाया जाएगा। दो एकड़ तक की भूमि पर पाँच हजार रुपए, दो से पाँच एकड़ तक दस हजार रुपए और पाँच एकड़ से अधिक भूमि पर तीस हजार रुपए प्रति घटना के हिसाब से जुर्माना वसूल किया जाएगा।

एम्स में ड्रग रेजिस्टेंस मरीजों हेतु 8 बेड के डीआर टीबी सेंटर का हुआ उद्घाटन

रायबरेली। एम्स रायबरेली में ड्रग रेजिस्टेंस मरीजों हेतु 8 बेड के डीआर टीबी सेंटर का उद्घाटन डॉक्टर अमिता जैन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम्स रायबरेली द्वारा किया गया जिसमें संस्थान की डीन एकेडमी प्रोफेसर डॉक्टर नीरज कुमारी डीन एग्जामिनेशन प्रोफेसर डॉक्टर प्रगति गर्ग एवं डीन रिसर्च प्रोफेसर डॉक्टर अर्चना वर्मा के साथ ही लखनऊ से आए विशेष अतिथि डॉ राजीव गर्ग केजीएमयू एवं डॉ अजय कुमार वर्मा केजीएमयू तथा नोडल क्षय रोग विभाग रायबरेली डॉक्टर अनुपम सिंह उपस्थित रहे उद्घाटन के उपरान्त डीआर टीबी–इमर्जिंग चौलेंजेस विषय पर एक सीएमई का भी आयोजन किया गया सीएमई में नोडल ऑफिसर कोर कमेटी एनटीईपी एम्स डॉक्टर प्रमोद कुमार, कोऑर्डिनेटर कोर कमेटी एनटीईपी एम्स डॉ सना इलाही एवं नोडल अधिकारी डीआर टीबी एम्स डॉ महेंद्र कुमार मीणा के साथ ही राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के जिला प्रोग्राम समन्वयक अभय मिश्रा जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीष श्रीवास्तव जिला पीएमडीटी समन्वयक अतुल कुमार वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक अलंकार शर्मा एसटीएलएस अखिलेश त्रिवेदी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

बिल्डरों पर एक्शन लेने के लिए शासन से अनुमति मिली ,केस टू केस स्टडी कर बोर्ड में प्रस्ताव लाएंगे

नोएडा,संवाददाता। नोएडा में बिल्डरों के पास बकाया जमा करने की डेडलाइन समाप्त हो चुकी है। प्राधिकरण ने 43 डेवलपर को नोटिस जारी किया था। जिसमें से कुछ का जवाब आया है। अधिकांश का जवाब पैसे जमा करने को लेकर आया है। हालांकि प्राधिकरण राहत देने के मूड में नहीं है। ऐसे डेवलपर जिन्होंने राहत पैकेज पर न तो सहमति दी थी और न ही पैसा जमा किया था। उनके लिए प्राधिकरण ईओडब्ल्यू में लैटर लिख चुका है। सबसे पहले बोर्ड में इन बिल्डरों की फाइल रखी जाएगी। इनका भूखंड आवंटन तक रद्द किया जा सकता है। प्राधिकरण के एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि प्राधिकरण ने बकायदारों से राहत पैकेज हटाने का प्रस्ताव बोर्ड में गया था। शासन के अप्रूवल का इंतजार था। नियमानुसार एक्शन लेने का अप्रूवल मिल गया है। डेवलपर की फाइलों को केस टू केस देखा जाएगा। प्रत्येक केस पर क्या निर्णय लिया जाएगा ये बोर्ड तय करेगा। आगामी बोर्ड में सभी केस की स्टडी करके प्रस्ताव लाया जाएगा। बता दे बिल्डर पर करीब साढ़े पांच हजार करोड़ का बकाया है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों के तहत यूपी सरकार ने 21 दिसंबर 2023 को शासनादेश जारी किया था। इसके बाद प्राधिकरण ने पहले चरण में उन 57 बिल्डर परियोजनाओं को शामिल किया, जिनका किसी न्यायालय में मामला विचाराधीन नहीं था। मार्च–अप्रैल 2024 से बिल्डरों ने बकाया जमा करवाना शुरू कर दिया था। अधिकारियों ने बताया कि 57 में से जिन 35 बिल्डरों ने कुल बकाया में से 25 प्रतिशत राशि जमा की है, वह आगे किस्तें नहीं दे रहे, जबकि 100 करोड़ रुपए तक के बकायादार को एक साल में पूरी राशि जमा करनी थी। इनके अलावा 12 परियोजना के बिल्डरों ने कुछ–कुछ बकाया राशि जमा की है। 10 परियोजना के बिल्डरों ने कोई बकाया जमा नहीं किया। इस महीने हुई बोर्ड बैठक में प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार ने आदेश दिया था कि बिल्डरों को बकाया जमा करने के लिए 31 अक्टूबर तक का अंतिम समय दिया गया था। अगर इस दौरान भी बिल्डर बकाया जमा नहीं करते हैं तो उनको दिया राहत पैकेज समाप्त कर दिया जाए। प्राधिकरण ने राहत पैकेज के अंतर्गत कोविड काल के दौरान दो साल का जीरो पीरियड और एनजीटी के आदेश के तहत अलग भी जीरो पीरियड का लाभ दे रखा है। अब इस मामले में शासन से अप्रूवल आ गया है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा–निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जजध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जजध्सचिव द्वारा जिला कारागार की बैरकों, पाकशाला, चिकित्सालय, काष्ठकला प्रशिक्षण केन्द्र व लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा दौरान निरीक्षण बन्दियों से उनका हालचाल जाना गया।

इसके अतिरिक्त बैरक में बन्दियों के टिकटों की जांच की गयी। बन्दियों से उनके पास अधिवक्ता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली गयी। बंदियों से उनके मुकदमे में जमानत, गवाही व आरोप के संबंध में भी पूछतांछ की गयी तथा बैरकों में प्रथमदृष्टया बीमार बंदियों के स्वास्थ्य के संबंध में उनको जिला कारागार के चिकित्सक द्वारा उचित उपचार देने हेतु दिशा–निर्देश जारी किये गये। जिन बंदियों की जमानत जिला न्यायालय से खारिज हो चुकी है। वे बंदी जो निःशुल्क सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं तो उनको माननीय उच्च न्यायालय, विधिक सेवायें उप समिति, लखनऊ के माध्यम से जमानत उच्च न्यायालय में दाखिल करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

इसी प्रकार बैरकों के निरीक्षण के दौरान जिन बंदियों की पेशी की तिथि प्राप्त नहीं हो रही है उनके संबंध में जिला कारागार एवं लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल को उनके मुकदमें की अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये। निरीक्षण उपरांत बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। जिससे अधिक से अधिक बन्दी लाभान्वित हो सके। दौरान निरीक्षण जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल जय सिंह यादव, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, डा0 मनीष मिश्रा व उपकारापाल सुमैया परवीन उपस्थित रही।

संक्षिप्त समाचार

पेंशनर्स कराए अपना भौतिक सत्यापनः वरिष्ठ कोषाधिकारी

रायबरेली। वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ० भावना श्रीवास्तव ने कोषागार द्वारा बैंकों के माध्यम से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशन भोगियों को सूचित किया है वे अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करने हेतु कोषागार रायबरेली में किसी भी कार्य दिवस में बैंक पासबुक तथा पैन एवं आधार कार्ड के साथ स्वयं उपस्थित होकर अपना भौतिक सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। जीवन प्रमाण पत्र के फार्म कोषागार में निःशुल्क उपलब्ध हैं। कोषागार में पेंशन लेखाकार द्वारा पेंशनर के अभिलेखों से मिलान कर जीवन प्रमाण पत्र हस्ताक्षरित किया जाएगा। तत्पश्चात् पेंशनर द्वारा वरिष्ठ कोषाधिकारीध्सहायक कोषाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन अधिकारी द्वारा पेंशनर को रसीद प्राप्त करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि शासनादेश के अनुसार सम्बन्धित बैंक शाखा प्रबन्धकों को भी जीवन प्रमाण पत्र जारी करने हेतु अधिकृत किया गया है। अतः पेंशनर जिस बैंक की शाखा से पेंशन आहरित करता है वहां भी अपना जीवन प्रमाण पत्र दे सकता है, किन्तु बैंकों की शाखा से जारी जीवन प्रमाण पत्र बैंक के कवरिंग लेटर के साथ सम्बन्धित बैंक मुख्य शाखा प्रबन्धक से प्रतिहस्ताक्षरित कराकर कोषागार प्रेषित किया जाना होगा।

पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे की 86वीं जन्मजयंती का कार्यक्रम कल

लालगंज रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याण सिंह मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री रहे श्रद्धेय गिरीश नारायण पांडे की 86वीं जन्म जयंती समारोह का कार्यक्रम कल शुक्रवार को लालगंज नगर के श्री हनुमान गढ़ी उत्सव लान में प्रातः 11बजे से होगा, यह जानकारी देते हुए लोकतंत्र सेनानी श्री गिरीश नारायण पांडे सेवा संस्थान लालगंज के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनूप पांडे ने बताया कि समारोह के अवसर पर संघ शताब्दी वर्ष विशेषांक पत्रिका का विमोचन भी होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान समारोह भी होगा। कार्यक्रम की तैयारी जोर–शोर से चल रही है। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविनंदन सिंह चौहान, सदस्य सुशील शुक्ला, कैलाश बाजपेई, सहित भाजपा कार्यकर्ता शिवम गुप्ता आदि लोग कार्यक्रम के सहयोग में लगे हुए हैं।

स्वास्थ्य निदेशक ने जिला अस्पताल का निरीक्षण,व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई

बांदा,संवाददाता। जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, दवा वितरण केंद्र और विभिन्न वार्डों का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य निदेशक डॉ. सेन ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि स्टाफ के आधार पर सभी व्यवस्थाएं श्चुस्त–दुरुस्तश पाई गईं। डॉ. सेन ने जिला अस्पताल में शुरू होने वाली नई आईपीएल लैब का भी विशेष रूप से निरीक्षण किया। सरकार के निर्देशों के अनुसार, यह लैब 24 घंटे अपनी सेवाएं प्रदान करेगी। जिससे मरीजों को लगातार सुविधा मिल सकेगी। हालांकि, निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां भी सामने आईं। इन्हें तत्काल दूर करने के लिए सीएमएस डॉ. के. कुमार को निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय डॉ. के. कुमार भी मौजूद थे।

किसान से 12 हजार रुपये की धोखाधड़ी का आरोप, डीएम से शिकायत

बांदा,संवाददाता। जिले के बडोखर खुर्द विकास खंड स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार में एक किसान ने धोखाधड़ी की शिकायत की है। किसान का आरोप है कि उसे गेहूं के बीज के लिए 12 हजार रुपये जमा कराने के बावजूद न तो बीज मिला और न ही उसके पैसे वापस किए गए। इस मामले में जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। बजरंग पुरवा मजरा गंछा निवासी किसान रामबरन यादव ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह नवंबर 2025 में गेहूं की बुवाई के लिए राजकीय कृषि बीज भंडार से दो क्विंटल गेहूं का बीज खरीदने गए थे। रामबरन यादव के अनुसार, बीज भंडार में तैनात अधिकारी मनोज कुमार ने उन्हें अपना आधार कार्ड और 12 हजार रुपये लिपिक राजेश यादव के पास जमा करने का निर्देश दिया। किसान ने अधिकारी के निर्देश पर राजेश यादव को पैसे और आधार कार्ड की छायाप्रति सौंप दी। राजेश यादव ने रामबरन को तीन दिन बाद बीज लेने आने को कहा था। किसान का आरोप है कि तब से वह लगातार बीज भंडार के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन लिपिक राजेश यादव न तो उन्हें गेहूं का बीज दे रहे हैं और न ही उनके 12 हजार रुपये वापस कर रहे हैं। रामबरन ने यह भी आरोप लगाया कि राजेश यादव ने उनके साथ गाली–गलौज की और धमकी देकर भगा दिया। शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख है कि लिपिक राजेश यादव पिछले लगभग दस वर्षों से इसी ब्लॉक में तैनात हैं और उन पर भ्रष्टाचार के माध्यम से धन अर्जित करने का आरोप है। किसान ने जिलाधिकारी से राजेश यादव की संपत्ति की जांच कराने और उनके 12 हजार रुपये वापस दिलाने की मांग की है, ताकि वे अपने खेतों की बुवाई कर सकें। इस मामले में राजकीय कृषि बीज भंडार बड़ोखर खुर्द के प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है और इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

शांति भंग में दो युवक गिरफ्तार,पुलिस ने पैलानी एसडीएम कार्यालय भेजा

बांदा,संवाददाता। जसपुरा पुलिस ने शांति भंग के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 12 नवंबर 2025 को की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों को पैलानी स्थित उपजिलाधिकारी (एसडीएम) न्यायालय भेजा गया है, जहां से आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान राम भरोसे पुत्र भागीरथ और रामेश्वर पुत्र भागीरथ के रूप में हुई है। ये दोनों गढ़ कुंडा ढोल, थाना जसपुरा, जनपद बांदा के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ धारा 170, 126 और 135 ए एन एस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

3

लखनऊ शुक्रवार, 14 नवम्बर 2025

केकेआर में भी बदलाव की बयार!

रसेल होंगे रिलीज ? 23.75 करोड़ के वेंकटेश पर भी लटकी तलवार

कोलकाता। आईपीएल 2026 से पहले ज़ज़त एक बार फिर से खुद को रीबिल्ड करने के रास्ते पर है। जहां एक ओर कोर ग्रुप को बरकरार रखा जा रहा है, वहीं गैर–प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने से टीम को नए सिरे से ऊर्जा मिलेगी। आंद्रे रसेल का भविष्य भले ही चर्चा में हो, लेकिन उनकी गेंदबाजी अभी भी प्रभावी बनी हुई है। आईपीएल 2026 की रिटेंशन डेडलाइन (15 नवंबर) नजदीक आते ही कोलकाता नाइट राइडर्स (ज़ज़त) अपने स्क्वॉड में बड़े बदलाव की तैयारी में है। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या टीम अपने लंबे समय से जुड़े स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को रिलीज कर सकती है? इसके अलावा 23.75 करोड़ के वेंकटेश अय्यर पर भी तलवार लटक रही है। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है.. फिंच ने रसेल का किया समर्थन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरॉन फिंच ने केकेआर की रिटेंशन और रिलीज लिस्ट के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में फिंच ने कहा, श्यह थोड़ा विवादित निर्णय होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि केकेआर कभी रसेल को रिलीज नहीं करेगी। वे उन्हें तब तक रखेंगे जब तक वह खेलना चाहेंगे।श रसेल 2014 से केकेआर के साथ जुड़े हुए हैं और उसी सीजन में टीम को आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल 2025 उनके लिए बेहद खराब रहा, जहां उन्होंने 13 मैचों में सिर्फ 167 रन बनाए और उनका औसत 18.55 रहा। अब तो रसेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास भी ले चुके हैं। कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव, अभिषेक नायर बने कोच आईपीएल के निराशाजनक सीजन के बाद केकेआर ने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किए हैं। टीम ने तीन सीजन तक हेड कोच रहे चंद्रकांत पंडित को हटाकर अभिषेक नायर को नया कोच नियुक्त किया है। केकेआर ने आईपीएल 2024 में पंडित की कोचिंग में खिताब जीता था, लेकिन 2025 में टीम आठवें स्थान पर रही। इसके बाद प्रबंधन ने नया नेतृत्व लाने का फैसला किया। अभिषेक नायर पहले गौतम गंभीर के साथ टीम में मेंटर के रूप में जुड़े थे और अब दोबारा कोच बनकर लौटे हैं। आईपीएल 2026 की तैयारीरू किन खिलाड़ियों पर गिरेगी गाज? केकेआर ने आईपीएल 2025 में कई महंगे खिलाड़ी खरीदे थे, लेकिन उनमें से अधिकांश उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वेंकटेश अय्यर, जिन्हें 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, अब रिलीज लिस्ट में सबसे ऊपर माने जा रहे हैं। टीम उन्हें मिनी ऑक्शन में कम कीमत पर दोबारा खरीदने की रणनीति बना सकती है। इसी तरह, रहमानुल्ला गुरबाज, मोईन अली, मनीष पांडे, रोवमन पॉवेल, मयंक मार्कंडे, एनरिच नॉर्त्जे, उमरान मलिक और चेतन सकारिया जैसे खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर किया जा सकता है।

आरसीबी इन 3 बड़े खिलाड़ियों को कर सकती है रिलीज, इससे पर्स में आएंगे 19.75 करोड़ रुपये

बंगलूरू। आरसीबी के लिए यह रिटेंशन प्रक्रिया संतुलन बनाने की कवायद है। टीम अब चौंपियन बनने के बाद और भी सटीक रणनीति के साथ उतरना चाहेगी ताकि 2026 में अपने खिताब का बचाव कर सके। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्व्ठ) ने आईपीएल 2025 में इतिहास रचते हुए आखिरकार अपना पहला खिताब जीता था। विराट कोहली की कप्तानी में वर्षों का सपना साकार हुआ और अब टीम आईपीएल 2026 के सीजन में बतौर डिफेंडिंग चौंपियन उतरेगी। हालांकि, इस बार आरसीबी बड़े बदलाव करने के मूड में नहीं दिख रही है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों पर तलवार लटक रही है जिन्हें टीम नवंबर 15 से पहले रिलीज कर सकती है। लिविंगस्टोन की छुट्टी लगभग तय! सबसे बड़ा नाम जो रिलीज लिस्ट में शामिल हो सकता है, वह है इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन। त्व्ठ ने उन्हें 8. 75 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन उन्होंने आईपीएल 2025 में केवल 112 रन बनाए और टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। आरसीबी के पास पहले से ही टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल और क्रुणाल पांड्या जैसे मजबूत मिडल ऑर्डर विकल्प हैं। ऐसे में लिविंगस्टोन की भारी कीमत के चलते उन्हें बाहर किया जा सकता है। भारतीय तेज गेंदबाजों पर भी संकट तेज गेंदबाजी विभाग में भी कुछ नामों पर संशय है। जहां जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार ने मिलकर 39 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, वहीं यश दयाल और रसीख सलाम दर को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। यश दयाल की फॉर्म टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में गिरी, वहीं ऑफ–फील्ड विवाद ने भी उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं। रसीख सलाम को छह करोड़ में खरीदा गया था, लेकिन वह केवल दो मैच ही खेल पाए और कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। फ्री होगी ।

हमारे लिए कोई माफी नहीं

कराची। हारिस ने यह भी कहा कि वह पाकिस्तान के लिए टेस्ट खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, श्मैं तैयार हूं, बस सेलेक्टर्स हमें पहले से बता दें ताकि हम रेड–बॉल क्रिकेट की तैयारी कर सकें। वहां एक दिन में बहुत ओवर फेंकने होते हैं।श खराब प्रदर्शन की वजह से आलोचनाओं के घेरे में आए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ का रोना जारी है। दरअसल, एशिया कप के दौरान फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों ने उनकी खूब धुनाई की थी और उनके एक 17 रन के ओवर ने मैच पलट दिया था। अब इस पर हारिस रऊफ ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कठोरता पर खुलकर अपनी बात रखी है। रऊफ ने कहा कि क्रिकेट में खिलाड़ियों से हमेशा रोबोट जैसी परफॉर्मेंसट की उम्मीद की जाती है, जबकि वे भी इंसान हैं और उनसे भी गलती हो सकती है। रऊफ ने यह बयान श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे मैच के बाद दिया, जिसमें उन्होंने चार विकेट लेकर पाकिस्तान को छह रन से जीत दिलाई। श्हमारे लिए कोई माफी नहींश, हारिस का दर्द पोस्ट–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रऊफ से उनके बड़े मैचों में फ्लॉप होने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने साफ कहा, श्हमारे लिए कोई माफी नहीं होती। हमसे हमेशा रोबोट जैसी परफॉर्मेंस की उम्मीद की जाती है। लेकिन हम इंसान हैं, हमारे भी बुरे दिन आ सकते हैं।श रऊफ ने कहा कि क्रिकेट में हर खिलाड़ी का एक खराब दिन आता है, लेकिन जरूरी यह है कि वह हार न माने। हारिस ने कहा, श्मुख्य बात यह है कि आप हारें नहीं। बुरे दिन से कोई मरता नहीं है। हमें अपनी स्किल्स पर भरोसा रखना होता है और गलतियों को सुधारते रहना चाहिए।श एशिया कप फाइनल की नाकामी और आलोचना रऊफ ने यह भी माना कि एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां उन्होंने सिर्फ 3.4 ओवर में 50 रन लुटाए थे। उन्होंने कहा, श्कभी–कभी हमारी योजनाएं काम नहीं करतीं। एक खराब दिन आपकी मेहनत को नहीं मिटा सकता, लेकिन आलोचनाएं जरूर बढ़ जाती हैं।श हारिस ने कहा, श्लोग 10 अच्छे मैच भूल जाते हैं और एक खराब मैच को याद रखते हैं। किसी खिलाड़ी को आलोचना पसंद नहीं होती, लेकिन यही हकीकत है, हमारे लिए माफी नहीं होती।श टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई हारिस रऊफ ने यह भी खुलासा किया कि वे पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, श्मैं पाकिस्तान के लिए टेस्ट खेलना चाहता हूं। मैं तैयार हूं, बस सेलेक्टर्स हमें पहले से बता दें ताकि हम रेड–बॉल क्रिकेट की तैयारी कर सकें। वहां एक दिन में बहुत ओवर फेंकने होते हैं।श

मुंबई में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, 15 करोड़ का सोना जब्त, मास्टरमाइंड समेत 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। डीआरआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कुल मिलाकर 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13. 17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी जब्त किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने जनकारी दी कि 15 करोड़ रुपये मूल्य की कीमती धातु जब्त की गई है। इस कार्रवाई के तहत मास्टरमाइंड समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आयात नियमों का उल्लंघन और राजस्व की चोरी की गई जांच में पता चला है कि यह गिरोह हुए सोने को अवैध रूप से देश में लाने और उसे ग्रे मार्केट में बेचने की योजना पर काम कर रहे थे। इससे न केवल आयात नियमों का उल्लंघन किया गया और सरकारी राजस्व की चोरी की गई। शहर के चार स्थानों पर हुई छापेमारी डीआरआई मुंबई जोनल इकाई को मुंबई में सोने की तस्करी और पिघलाने के सिंडिकेट के संचालन के बारे में जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, डीआरआई टीमों ने सोमवार को शहर में चार स्थानों पर एक साथ तलाशी ली। इसमें दो अवैध पिघलने वाली इकाइयां और दो अपंजीकृत दुकानें शामिल थीं।अधिकारी ने बताया कि उन्हें एक पूरी तरह कार्यात्मक इकाई मिली, जहां तस्करी किए गए सोने को पिघलाकर मोम और अन्य रूपों जैसे बार में परिवर्तित किया जा रहा था। पिघलने वाली इकाइयों से कुल 6.35 किलोग्राम सोना जब्त किया गया व भट्टियों का संचालन करने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मास्टरमाइंड से जुड़ी दो दुकानों पर की गई तलाशी में 5.53 किलोग्राम सोने की छड़ें बरामद की गईं। 11.88 किलो सोना और 8.72 किलो चांदी जब्त डीआरआई ने कुल मिलाकर 15.05 करोड़ रुपये मूल्य का 11.88 किलोग्राम 24 कैरेट सोना और 13.17 लाख रुपये मूल्य की 8.72 किलोग्राम चांदी जब्त की।

भारतीय प्रवासी देख रहे हैं भारत–न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में अपार संभावनाएं, तकनीक–पर्यटन मुख्य स्तंभ

नई दिल्ली। ऑकलैंड के भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए पर्यटन, शिक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं। ऑकलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय का यह कहना है। भारत न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। एफटीए के क्रियान्वयन से द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को भारी बढ़ावा मिलेगा। यह वर्तमान में लगभग 1.4 अरब डॉलर है। बता दें कि दोनों देश व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने के लिए व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है। दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के आपार अवसर होंगे पैदा वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हाल की ऑकलैंड और रोटोरुआ यात्रा से व्यापार वार्ता को काफी प्रोत्साहन मिला है। ऑकलैंड स्थित कंप्यूटर इंजीनियर रानी सिंह ने कहा कि मैं दोनों देशों के बीच मिलकर काम करने के लिए अपार अवसर देखती हूं, न केवल व्यापार में, बल्कि शिक्षा, पर्यटन और प्रीमियम पेय पदार्थ व प्रौद्योगिकी जैसे नवाचार–संचालित उद्योगों जैसे दीर्घकालिक संबंध बनाने वाले क्षेत्रों में भी। उन्होंने कहा कि दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, एआई और साइबर सुरक्षा में सहयोग से भी लाभ उठा सकते हैं। सिंह ने कहा कि इन क्षेत्रों में जहां भारत के पास व्यापकता और प्रतिभा है। वहीं न्यूजीलैंड नवाचार और मजबूत अनुसंधान वातावरण प्रदान करता है। दोनों देश मिलकर वैश्विक चुनौतियां का सामना करेंगे उन्होंने आगे कहा कि हमें विश्वविद्यालयों और तकनीकी कंपनियों के बीच संयुक्त तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों और छात्र आदान–प्रदान के अवसरों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इस तरह के सहयोग दोनों देशों के छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का मिलकर सामना करने के लिए तैयार करेंगे। भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने पर्यटन क्षेत्र के रास्ते खोले इसी तरह के विचार साझा करते हुए प्रबंधन पेशेवर अजितेश शेखर ने कहा कि एयर सर्विसेज एग्रीमेंट के अपडेट और न्यूजीलैंड आने वाले भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने पर्यटन क्षेत्र में गहरे सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा कि सीधी हवाई कनेक्टिविटी, सुगम वीजा प्रक्रिया और साझा ब्रांडिंग से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय पर्यटन को मजबूती मिल सकती है। शेखर ने यह भी जोड़ा कि मादक पेय पदार्थ क्षेत्र, भले ही सीमित दायरे का हो, लेकिन दोनों देशों के बीच उच्च मूल्य का सहयोग प्रदान करता है। न्यूजीलैंड में तीन लाख से ज्यादा है भारतीय प्रवासी न्यूजीलैंड में मौजूद प्रमुख भारतीय कंपनियों में एचसीएल, महिंद्रा मोटर्स, टेक महिंद्रा लिमिटेड, टीसीएस, इंफोसिस, डॉ. रेड्डी लैबोरेटरीज और रॉयल एनफील्ड मोटर्स शामिल हैं। न्यूजीलैंड में तीन लाख से ज्यादा भारतीय प्रवासी हैं। अनुमान है कि लगभग 70,000 लोगों के पास भारतीय पासपोर्ट है।

संक्षिप्त

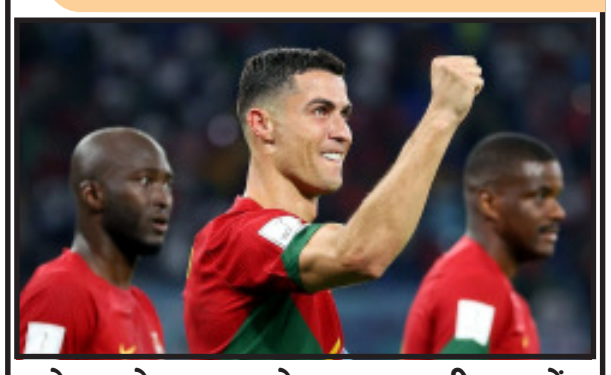

रोनाल्डो का बड़ा ऐलान: 41 की उम्र में संन्यास, 2026 वर्ल्ड कप होगा आखिरी

फुटबॉल जगत के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने संन्यास को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि साल 2026 में होने वाला फीफा वर्ल्ड कप उनका आखिरी विश्व कप होगा। बता दें कि यह टूर्नामेंट अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में आयोजित किया जाएगा। मौजूदा जानकारी के अनुसार, पुर्तगाल की टीम यूरोपियन क्वालिफाइंग के ग्रुप–एफ में शीर्ष पर है और अगर टीम 13 नवंबर को आयरलैंड को हरा देती है, तो वह टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लेगी। रोनाल्डो ने कहा कि अगर वे 2026 का विश्व कप खेलते हैं तो यह उनका छठा वर्ल्ड कप होगा। गौरतलब है कि रोनाल्डो के करियर में लगभग हर बड़ा खिताब शामिल है, लेकिन वर्ल्ड कप ट्रॉफी अब तक उनकी पहुंच से दूर रही है। उन्होंने कहा कि वे अब 41 साल के होने जा रहे हैं और यह सही समय होगा मैदान को अलविदा कहने का। रोनाल्डो ने सऊदी अरब में एक फोरम के दौरान वीडियो लिंक से बातचीत करते हुए कहा, "हां, निश्चित रूप से 2026 वर्ल्ड कप मेरा आखिरी होगा। मैं 41 साल का हो जाऊंगा और मुझे लगता है, यही सही वक्त होगा।" उन्होंने आगे कहा कि वे प्रोफेशनल फुटबॉल से एक या दो साल में संन्यास ले सकते हैं। बता दें कि रोनाल्डो ने अब तक क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाकर 950 से अधिक गोल किए हैं। उन्होंने कहा कि जब वे कहते हैं कि 'जल्द रिटायर होंगे', तो उसका मतलब है अगले एक या दो साल में। गौरतलब है कि रोनाल्डो 2006 में वर्ल्ड कप जीतने के करीब पहुंचे थे, जब पुर्तगाल सेमीफाइनल तक पहुंचा था लेकिन फ्रांस से हार गया था। इसके अलावा, उन्होंने 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर सऊदी क्लब अल नास्र जॉइन किया था। दिलचस्प बात यह है कि सऊदी अरब को 2034 के फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली है, लेकिन रोनाल्डो ने यह साफ कर दिया है कि तब तक वे सक्रिय खिलाड़ी नहीं होंगे। पिछले साल एक इंटरव्यू में, जब पत्रकार पियर्स मॉर्गन ने उनसे पूछा कि क्या वर्ल्ड कप जीतना उनका सपना है, तो रोनाल्डो ने कहा था कि उन्हें खुद को साबित करने के लिए किसी ट्रॉफी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा था, "नहीं, यह मेरा सपना नहीं है। क्या सिर्फ एक टूर्नामेंट जीतने से तय होगा कि मैं इतिहास का सबसे अच्छा खिलाड़ी हूं या नहीं? छह या सात मैच जीतने से क्या यह तय हो सकता है?" इस तरह, रोनाल्डो ने संकेत दे दिया है कि आने वाले कुछ सालों में वे फुटबॉल को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक वे अपने आखिरी बड़े लक्ष्य 2026 वर्ल्ड कप पर नजर टिकाए हुए हैं।

भारत के शीर्ष टेनिस स्टार सुमित नागल का चीन ने वीजा रद्द किया, ऑस्ट्रेलियन ओपन दांव पर

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से मदद की अपील की है। उन्होंने दावा किया है कि चीन में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन एशिया–पैसिफिक वाइल्डकार्ड प्लेऑफ में भाग लेने के लिए उनका वीजा बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया है। यह टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए सीधा प्रवेश पाने का एक महत्वपूर्ण मौका माना जाता है। नागल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर चीन के राजदूत और नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता को टैग करते हुए "तत्काल मदद" की मांग की है। उन्होंने लिखा, "मैं भारत की ओर से ऑस्ट्रेलियन ओपन प्लेऑफ में हिस्सा लेने के लिए चीन जाने वाला था, लेकिन मेरा वीजा बिना किसी कारण के अस्वीकार कर दिया गया।" उन्होंने अपने संदेश की शुरुआत "ख्त्लम्छज," शब्द से की और खुद को "भारत का नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी" बताते हुए अपील की है। बता दें कि 27 वर्षीय सुमित नागल वर्तमान में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। उन्होंने हाल के दो वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है और 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में 25वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुबिक को हराकर सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा, वे 2024 में मोंटे कार्लो मास्टर्स में क्ले कोर्ट पर मैच जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने थे, जो उनके करियर का ऐतिहासिक पल माना गया था। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियन ओपन एशिया–पैसिफिक वाइल्डकार्ड प्लेऑफ 24 से 29 नवंबर तक चीन के चेंगदू में आयोजित होने वाला है। इस टूर्नामेंट में एशिया–प्रशांत क्षेत्र के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं और विजेता को ग्रैंड स्लैम के मुख्य ड्रॉ में खेलने का मौका मिलता है। यह प्रतियोगिता टेनिस ऑस्ट्रेलिया और चीनी टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की जाती है। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुमित नागल की भागीदारी अब अधर में लटक गई है जब तक कि चीन की ओर से वीजा संबंधी निर्णय की समीक्षा नहीं की जाती। अभी तक चीनी दूतावास, ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन या टेनिस ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। भारतीय टेनिस प्रेमी और सोशल मीडिया उपयोगकर्ता नागल के समर्थन में आवाज उठा रहे हैं। बता दें कि अगर नागल इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाते, तो यह उनके लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि वे फिलहाल अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में हैं और लगातार ग्रैंड स्लैम में मुख्य ड्रॉ तक पहुंचने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में चीन की इस वीजा अस्वीकृति ने उनके आगामी ऑस्ट्रेलियन ओपन अभियान पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिशन विश्व कप 2025: जूनियर महिला हॉकी टीम का ऐलान, ये खिलाड़ी दिखाएंगी भारत का दम!

हॉकी इंडिया ने सोमवार को आगामी एफआईएच महिला जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा की, जिसका आयोजन 1 से 13 दिसंबर तक चिली के सैंटियागो में होगा। 20 सदस्यीय टीम, जिसमें 18 खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं, अपनी कड़ी तैयारियों को परखने और विश्व मंच पर एक मजबूत बयान देने की कोशिश करेगी। भारत को जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया के साथ पूल सी में रखा गया है। भारतीय टीम 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

4

लखनऊ शुक्रवार, 14 नवम्बर 2025

सम्पादकीय

बेमौत न मरें यात्री

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वतरू संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह–जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच–पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

सरकार से समाज तकः हिमाचल की नशामुक्ति मुहिम बनी जनआंदोलन

डा. रचना गुप्ता

> *इसी जाल में हिमाचल जैसे करीब 78.54 लाख जनसंख्या वाले प्रदेश में 15 से 25 साल तक के युवाओं को टारगेट करके नशे की सप्लाई के खुलासे रौंगटे खड़े करने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जब इस विषय में नकेल कसी तो खौफनाक मंजर सामने आए।*

उस मां पर क्या बीत रही होगी, जिसका एक बेटा मात्र 19 वर्ष में नशे की ओवरडोज से मर गया। बाद में पता चला कि जिस स्कूल में वह पढ़ता था, वहां दूसरे प्रदेशों के लोग सामान की फेरी लगाने के बहाने बच्चों को चरस देते थे। इसी जाल में हिमाचल जैसे करीब 78.54 लाख जनसंख्या वाले प्रदेश में 15 से 25 साल तक के युवाओं को टारगेट करके नशे की सप्लाई के खुलासे रौंगटे खड़े करने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने जब इस विषय में नकेल कसी तो खौफनाक मंजर सामने आए। मात्र डेढ़ वर्ष में 1000 किलो चरस जिस राज्य में पकड़ी जाए, 35 किलो हैरोइन, 90 किलो अफीम, वहां का युवा किस दिशा में जा रहा होगा, यह बेहद चिंताजनक है। प्रदेश में सुखविंदर सुक्खू ने इस मामले की कमान बतौर गृहमंत्री खुद संभाली है। जो मास ड्राइव चली है, उसके अभी तक जो नतीजे आए हैं, वे और भी खेदजनक हैं, क्योंकि जिन सरकारी कर्मचारियों व पुलिस कर्मियों पर सुरक्षा का जिम्मा है, वही इस घिनौने कृत्य को अंजाम दे रहे हैं। एक वर्ष में प्रदेश सरकार के 80 कर्मचारियों को सजा मिलने का मतलब है कि कैसे यह ड्रग माफिया सरकारी पदों की आड़ में छोटे–छोटे बच्चों के साथ खिलवाड़ कर रहा है। न जाने कितने घरों के चिराग बुझ गए या फिर युवा बोझ बन गए। सरकार द्वारा डेढ़ वर्ष में की गई कार्रवाई का आकलन करें तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश की बेटियों तक को योजनाबद्ध टारगेट किया जा रहा है। चिंता बस यही नहीं है, बल्कि जिन सुइयों से यह नशे के इंजैक्शन लगा रहे हैं, उनसे बच्चों में एच.आई.वी. रोग फैल चुका है। अब सरकार के सामने एक और संकट यह आ गया कि एच.आई.वी. रोग को बढने से कैसे रोकें। नशा कैसे पहुंचता है, कैसे बिकता है, कैसे इससे लोग धन कमाते हैं, यह पूरे प्रदेश में अलग केस स्टडी है। डेढ़ वर्ष में 1500 लोगों को एन.डी.पी.एस. एक्ट में पकड़ा गया। इन लोगों ने चरस व अफीम बच्चों को बेचकर 100 करोड़ रुपए की संपत्ति बना ली थी। आप समझ सकते हैं कि यह कारोबार कैसे फल–फूल रहा था। हालत यह हो गई कि सरकार को सिरमौर में महिलाओं व बेटियों के लिए अलग से 100 बिस्तरों वाला नशा निवारण होस्टल खोलना पड़ा। राज्य के डी.जी.पी. अशोक तिवारी भी इस मसले पर खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। टीम सुक्खू इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ अपराधियों को पकड़ रही है, बल्कि युवाओं को सही राह की ओर ले जाने के लिए अलग–अलग योजनाएं चला रही है और नशे के सेवन व तस्करी के प्रति जीरो टॉलरैंस की नीति अपना रही है। नशे में लिप्त युवाओं को उपचार के बाद पुनर्वास के लिए रोजगार के उचित अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं नशे के आदी लोगों के पुनर्वास के लिए मजबूत कानून–व्यवस्था के तहत सरकार ने हिमाचल प्रदेश संगठित अपराध(निवारण एवं नियंत्रण) विधेयक, 2025 पारित कर नशा तस्करों को मृत्यु दंड, आजीवन कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने के अतिरिक्त अवैध तरीके से कमाई गई संपत्ति को कुर्क करने का प्रावधान किया है। इसके अतिरिक्त, नशामुक्ति, पुनर्वास, निवारक शिक्षा एवं आजीविका सहायता के वित्त पोषण के लिए एक राज्य कोष की स्थापना का प्रावधान भी किया गया है।प्रदेश सरकार द्वारा कुल्लू, ऊना, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों में पुरुषों के लिए चार व रैड क्रॉस सोसायटी कुल्लू द्वारा महिलाओं के लिए एक नशा निवारण एवं पुनर्वास केंद्र संचालित किया जा रहा है। गत वर्ष राष्ट्रीय नशा निवारण अभियान के अंतर्गत सभी जिलों के 5,545 गांवों और 3,544 शैक्षणिक संस्थानों में 5,26,372 लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया। बच्चों में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों और दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूली पाठ्यक्रम में एक अध्याय शामिल करने का निर्णय लिया है, जिसकी प्रदेश सरकार पंचायत स्तर पर मैपिंग कर रही है। सिरिंज के माध्यम से नशा करने वाले लोगों की इस आदत को छुड़वाने के लिए ओपिओइड सबस्टीच्यूशन थैरेपी (ओ.एस.टी.) के अंतर्गत मुंह से ली जाने वाली दवाओं जैसे बुक्रेनोफिन की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 14 टारगेटिड इंटरवैन्शन प्रोजैक्ट्स के माध्यम से सुरक्षित सुइयों, परामर्श और एच.आई.वी.ध्एस.टी.आई. के लिए रैफरल की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। एच.आई.वी. को लेकर नियमित जांच की जा रही है और पॉजिटिव पाए जाने वाले मामलों को ए.आर.टी. केन्द्र से जोड़ा जा रहा है। सरकारी डाटा बताता है कि पुलिस विभाग ने नशे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए।

ममदानी बनाम भारत के कम्युनिस्ट

मंगत राम पासला

अमरीकी शहर न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में 34 वर्षीय मुस्लिम जोहरान कोवाम ममदानी की जीत गर्मी के दिन में ठंडी हवा के झोंके जैसी है। ममदानी 1892 के बाद से जीतने वाले सबसे कम उम्र के मेयर हैं। इतना ही नहीं, उन्हें दक्षिण एशियाई क्षेत्र में मुस्लिम धर्म से संबंधित इस शहर के पहले मेयर होने का गौरव भी प्राप्त है। याद रहे, उन्होंने यह शानदार जीत बिना किसी बड़े व्यापारिक घरानों के समर्थन के, न्यूनतम खर्च में हासिल की है। जोहरान ममदानी ने दुनिया भर के लोकतंत्र–प्रेमी, न्यायप्रिय लोगों को जीत का यह अनमोल तोहफा तब दिया है, जब एक ओर ट्रम्प उन्हें जिताने की सजा के तौर पर शहर के विकास के लिए संघीय धन में भारी कटौती करने की धमकी दे रहे थे तथा दूसरी ओर बड़े–बड़े व्यापारिक घराने ट्रम्प के उम्मीदवार कुओमो को खरबों डॉलर 'दान' के रूप में दे रहे थे। इससे भी ज्यादा उल्लेखनीय बात यह है कि 'लोकतंत्र और समाजवाद' की वकालत करने वाला एक व्यक्ति अमरीका के एक विश्व–प्रसिद्ध शहर का मेयर चुना गया है, जबकि ट्रम्प समेत दुनिया भर की साम्राज्यवादी लुटेरी और दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादी ताकतें 'इस्लामोफोबिया' के झूठे डर के तले समाज को ध्रुवीकृत करने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। जीत के बाद अपने पहले संबोधन में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 15 अगस्त, 1947 को दिए गए भाषण 'आतंकवादी और नियति' का जिक्र किया और अपनी जीत को 'एक नए युग की शुरुआत' बताया। जब भारत के वर्तमान शासक हर लानत–मलामत के साथ कम्युनिस्टों के साथ ही नेहरू और महात्मा गांधी को कोस रहे हों, तब नेहरू द्वारा लिखित विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के प्रेरक वाक्यों का पाठ करना पूरे संघ परिवार के लिए एक आईना है। आम लोगों के जीवन से जुड़े मुद्दों, जैसे महंगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं में गिरावट, पर ममदानी के प्रचार ने इस जीत में बड़ी भूमिका निभाई। गहरे आर्थिक संकट के वर्तमान दौर में, दुनिया के बड़े पूंजीपति और बहुराष्ट्रीय निगम विभिन्न देशों में निर्मम नवउदारवादी आध्थक नीतियों को लागू करने और साम्प्रदायिक–फासीवादी राज्य ढांचे स्थापित करने के लिए जी–तोड़ कोशिश कर रहे हैं। ऐसे समय में, अंधेरी रातों में टिमटिमाते जुगनूं की रोशनी की तरह मोमबत्ती की विजय भविष्य में पूंजीवादी व्यवस्था पर 'लोकतांत्रिक विचारों और समाजवादी व्यवस्था' की श्रेष्ठता सिद्ध करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। आज जनता ने ब्राजील और मैक्सिको जैसे लैटिन अमरीकी देशों सहित दुनिया के कई देशों में साम्राज्यवाद–विरोधी वामपंथियों को सत्ता की चाबियां सौंप दी हैं। अमरीका अपनी युद्धनीति, 'वाणिज्यिक शुल्क' लगाने जैसी बलपूर्वक कार्रवाइयों और तख्तापलट के जरिए उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है। ऐसे नाजुक समय में, पड़ोसी देश नेपाल की 10 कम्युनिस्ट पाध्टयों और गुटों ने एक ही पार्टी, 'नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी' बनाने और अगले साल मार्च में होने वाले आम चुनाव उसके बैनर तले लडने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। भारत के कम्युनिस्टों के एक वर्ग को एक छोटे से क्षेत्र में सशस्त्र संघर्ष के जरिए सत्ता हथियाने का जो अनुभव रहा है, वह अब माओवादियों के आत्मसमर्पण के रूप में देखा जा सकता है। तमाम कुर्बानियों और दावों के बावजूद, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि देश की वर्तमान परिस्थितियों में एक छोटे से क्षेत्र के सशस्त्र संघर्ष का भारत की प्रबल शक्ति के सामने यह हश्र हुआ? अच्छी बात यह है कि अपने अतिवामपंथी, क्रांतिकारी रुख से सबक सीखकर, उनमें से कई ने अब शांतिपूर्ण सार्वजनिक राजनीतिक गतिविधियां जारी रखने का फैसला किया है। यह भी एक तथ्य है कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में बलिदान देने वालों में कम्युनिस्ट सबसे आगे थे। ब्रिटिश साम्राज्यवादियों ने कम्युनिस्टों पर 'मेरठ षड्यंत्र केस' और 'लाहौर षडयंत्र केस' जैसे कई गंभीर मुकद्दमे दर्ज करके उन्हें फांसी की सजा और लंबे समय तक काले पानी की जेलों में कैद रखा था। आजादी के बाद भी, कम्युनिस्टों ने देश की मेहनतकश जनता के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करके और सभी प्रकार की सरकारों की जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध करके एक गौरवशाली इतिहास रचा है। आज भी, अगर देश में कोई विश्वसनीय राजनीतिक दल है जो भ्रष्टाचार से दूर रहकर जनहितैषी राजनीति करता है, तो वह कम्युनिस्ट हैं। कम्युनिस्ट ही वे हैं जो सांप्रदायिक सद्भाव और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने के सच्चे पैरोकार हैं और जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक रुख अपनाकर विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ डटकर मोर्चा संभाला है। दिल्ली स्थित 'जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय' के छात्रसंघ चुनाव में, उसे बदनाम करने और खत्म करने के हर हथकंडे अपनाने वाली सत्तारूढ़ पार्टी ने दक्षिणपंथी कार्यकर्त्ताओं को हराकर भारी जीत हासिल की है। यह जीत भारत के युवाओं के मन में वामपंथी राजनीति की मजबूत उपस्थिति का प्रतीक है। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि तमाम कुर्बानियों के बावजूद, कम्युनिस्ट अभी तक भारत में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर नहीं पाए हैं। कोई भी कम्युनिस्ट पार्टी अलग–अलग समय पर कई राजनीतिक गलतियां करने से मुक्त नहीं कही जा सकती। लेकिन कोई भी विचारशील व्यक्ति कम्युनिस्टों के जनपक्षधर चरित्र और ईमानदार कार्यों को नकार नहीं सकता। देश की वर्तमान खतरनाक स्थिति में, क्या न्यूयॉर्क के मेयर पद पर एक वामपंथी युवक की जीत, नेपाल में दस कम्युनिस्ट पाध्टयों की एकता और संघ परिवार के सांप्रदायिक हमलों का प्रतिरोध करते हुए जे.एन.यू. में वामपंथी छात्र संगठनों की जीत भारत के कम्युनिस्टों के लिए उत्साह का स्रोत बन सकती है।

मेष :– विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

बृषभ :– निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। संतान संबंधित जरूरी दायित्व अपनी पूर्ति हेतु मन पर दवाब बनाएंगे। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

मिथुन :– कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा–प्रतियोगिता में लापरवाही न बरतें।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। सगे–संबंधियों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवांछित सफलता के आसार हैं। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

सिंह :– कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन में अशांत होगा। कुछ रोजगार संबंधी चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में केंद्रित हों। महत्वपूर्ण कार्यो के प्रति आलस्य का त्याग करें।

कन्या :– भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेनंगे। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

तुला :– ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे अपयश या लांछन मिले। नकारात्मक चिंताएं उत्साह में कमी लाएंगी। क्रोध पर काबू रखें और आवेश में कोई निर्णय न लें। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

वृश्चिक :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी अच्छी छवि बनायें। भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। जरूरी कायरे में आलस्य न करें, अन्यथा हानि संभव।

धनु :– नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी काम समय से करें।

मकर :– मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। जरूरी कायरे को समय पूर्ण करने हेतु केंद्रित रहेंगे।

कुंभ :– कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

भविष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग,मानवीय विवेक को चुनौती का बड़ा प्रश्न?

एजेन्सी

> *भारत की संसद में एक साथ 23 भाषाओं का अनुवाद संभव होना, इस तकनीक की उपयोगिता का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है यह भारत की उस बहुभाषी आत्मा का सजीव चित्रण है।*

आज विज्ञान ने जिस तीव्रता से अपने पंख फैलाए हैं, वह मानव सभ्यता के इतिहास में अप्रत्याशित है। अब जब पृथ्वी डिजिटल युग से आगे बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर रही है, तब यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो गया है कि क्या आने वाला समय मानव मस्तिष्क की विजय का प्रतीक होगा या उसकी अधीनता का प्रारंभ? भारत इस प्रश्न का उत्तर अपने कार्यों से दे रहा है। सीमित संसाधनों और न्यूनतम वित्तीय निवेश के बावजूद, भारत ने एआई तकनीक के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह अद्भुत है। यही कारण है कि ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर लिंडसे हॉयल ने भारत की संसदीय व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ब्रिटेन भी भारतीय संसद की तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुकरण कर अपने संसदीय कार्य को और सशक्त बना सकता है। भारत की संसद में एक साथ 23 भाषाओं का अनुवाद संभव होना, इस तकनीक की उपयोगिता का जीवंत उदाहरण है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है यह भारत की उस बहुभाषी आत्मा का सजीव चित्रण है जो एकता में विविधता का साक्षात् दर्शन कराती है। कम बजट में इतनी विशाल तकनीकी क्षमता विकसित करना यह सिद्ध करता है कि भारत की नवाचार चेतना विश्व के लिए आदर्श बन रही है। परंतु, प्रत्येक आविष्कार के साथ उसकी छाया भी जन्म लेती है। एआई जहाँ मानव जीवन को सरल, त्वरित और कुशल बना सकता है, वहीं यह उसकी निजता और स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा खतरा भी बन सकता है। जब मशीनें हमारी नब्ज पढ़ने लगेंगी, जब हमारी धड़कनों से हमारे विचारों का अनुमान लगा सकेंगी कृ तब यह तय करना कठिन होगा कि विचार हमारे हैं या तकनीक के संकेतों से संचालित। विकसित देश अमेरिका, रूस, चीन, जापान और यूरोप इस तकनीक का उपयोग सामरिक और रणनीतिक स्तर पर कर रहे हैं। रूस–यूक्रेन, इसराइल हमास, भारत पाकिस्तान युद्ध इसका साक्षी है, जहाँ एआई के सहारे मिसाइलें दागी जा रही हैं, दुश्मन की गतिविधियों का रियल–टाइम विश्लेषण हो रहा है, और डेटा अब बारूद से भी अधिक खतरनाक हथियार बन चुका है। ऐसे में विकासशील देशों के लिए अपनी रक्षा–सूचना सुरक्षित रखना दिन–प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। एआई तकनीक के विकास ने खाड़ी देशों को भी नए मार्ग दिखाए हैं। जो देश कभी केवल तेल के कुएं पर निर्भर थे, अब अपनी अर्थव्यवस्था को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सहारे विविध दिशाओं में फैला रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात ने वर्ष 2017 में इस तकनीक को सरकारी स्तर पर अपनाया था, और आज सऊदी अरब, कतर, मिस्र, जॉर्डन और मोरक्को जैसे देश अपने बजट का 30ः से अधिक हिस्सा एआई विकास पर निवेश कर रहे हैं। वे यह समझ चुके हैं कि भविष्य की समृद्धि केवल पेट्रोलियम भंडारों से नहीं, बल्कि डेटा और एल्गोरिथ्म के नियंत्रण से तय होगी। भारत के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि हम ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था के अग्रदूत बन सकते हैंय और चुनौती इसलिए कि यदि हम सतर्क न रहें, तो यही तकनीक हमारे सामाजिक ढाँचे को, हमारी निजता को, और हमारी सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित कर सकती है।एआई अब मानव मस्तिष्क का दर्पण नहीं, बल्कि उसका पर्यवेक्षक बनता जा रहा है। यह केवल हमारी बोली नहीं समझता, बल्कि हमारी भावनाओं और प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने में सक्षम हो चुका है। पल्स रीडिंग, न्यूरल सिग्नल डिटेक्शन, और थम्ब इंप्रेशन से विचार पढ़ना कृ ये सब विज्ञान कथा नहीं, बल्कि आज की वास्तविकता है। अमेरिका और यूरोप में चिकित्सा क्षेत्र में एआई का उपयोग अद्भुत परिणाम दे रहा है। रोगों का निदान सेकंडों में हो रहा है, सर्जरी की सटीकता बढ़ी है, और दवाइयों के परीक्षण की गति में कई गुना वृद्धि हुई है। परंतु वही तकनीक यदि डेटा नियंत्रण के गलत हाथों में चली जाए, तो वह मानवता के लिए सर्वाधिक घातक सिद्ध हो सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक वरदान है, यदि वह मानव के विवेक के अधीन रहे।पर यदि मानव स्वयं मशीनों के निर्देशों पर चलने लगे, तो यही वरदान अभिशाप बन सकता है।दुनिया के अनेक राइट एक्टिविस्ट पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि एआई केवल रोजगार छीनने या औद्योगिक ढांचे को बदलने का उपकरण नहीं है कृ यह मानव चेतना को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। उनके अनुसार, यदि डेटा सुरक्षा और निजता की स्पष्ट कानूनी सीमाएँ न बनाई गईं, तो एक दिन रोबोट ही नीति निर्माता और मानव उसके अनुयायी बन जाएंगे।खाड़ी देशों ने इस खतरे को समझते हुए एआई उपयोग पर नैतिक दिशा–निर्देश जारी किए हैं। भले ही वे कानूनी रूप से बाध्यकारी न हों, पर यह एक सकारात्मक पहल है। भारत को भी इस दिशा में आगे बढ़कर न केवल अपने नागरिकों की डेटा–संप्रभुता सुरक्षित रखनी होगी, बल्कि तकनीक के प्रयोग में मानवता के तत्व को सर्वोपरि रखना होगा।

सुबह 4 बजे भी उन्हें हमारी सुरक्षा की परवाह थी

प्रियामणि

अभिनेत्री प्रियामणि से बात की, जिन्होंने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया है। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान आज 60 साल के हो चुके हैं। इस खास मौके पर शाहरुख के साथ श्चेन्नई एक्सप्रेसश और श्जवानश जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री प्रियामणि से बात की। पढ़ें उन्होंने क्या कहा। शाहरुख पर प्रियामणि ने क्या कहा? शाहरुख खान पर बात करते हुए प्रियामणि ने कहा, श्पहली बार मैं शाहरुख से साल 2013 में 'चेन्नई एक्सप्रेस' के सेट पर मिली थी। फिल्म के लिए मैंने एक गाना शूट किया था। उसके बाद शाहरुख से दूसरी मुलाकात लगभग नौ साल बाद सीधे 'जवान' के सेट पर हुई। मुंबई के फिल्म सिटी में हमारा सेट लगा हुआ था। पहले दिन हमें मेट्रो ट्रेन सीक्वेंस शूट करना था। वो सेट पर आए और आते ही मुझे एक प्यारी सी झप्पी दी। उन्होंने मुझे फिल्म से जुड़ने के लिए शुक्रिया कहा।श श्सुनिश्चित किया कि हम सभी सुरक्षित घर पहुंचेंश इसके बाद हमने कई महीनों तक साथ में शूटिंग की। चेन्नई में शूटिंग के बाद हम सभी ने एक गेट टुगेदर पार्टी रखी। इसमें फिल्म में काम कर रहीं सभी म्हिला क्रू भी शामिल हुईं। पार्टी सुबह 4 बजे खत्म हुई और जब हम सब लोग घर के लिए निकले तो शाहरुख ने हमारी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा। उन्होंने सुरक्षाकमिर्यों से भरी एक गाड़ी हमारे साथ भेजी और यह सुनिश्चित किया कि हम सभी अपने होटल तक सुरक्षित पहुंचे या नहीं। यह उनका हमारे प्रति प्यार और चिंता का भाव था। श्लंच हमारे साथ ही करते थेश सेट पर वो प्रैंक तो नहीं करते पर यह जरूर सुनिश्चित करते हैं कि हम सभी हर रोज उनके साथ लंच करें। एक दिन उन्होंने सेट पर लंच के बाद म्यूजिक पार्टी होस्ट की थी। यहां हम सभी ने उनके साथ गाने गाए थे। शाहरुख ने हम सभी के लिए सेट पर बेहद आरामदायक और खुशनुमा माहौल बनाया। सेट पर मैं तो उनसे अधिक बात नहीं कर पाई पर साथी कलाकारों में कई युवा लड़कियां उनसे कई तरह के सवाल करती थीं और वो हर किसी का बेहद प्यार और संयम के साथ जवाब देते थे। श्उनको क्या ही तोहफा दे सकते हैं?श चूंकि बात शाहरुख के जन्मदिन की है तो मैं बस इतना कहूंगी कि उनको हम क्या ही तोहफा दे सकते हैं। अपनी फिल्मों के जरिए उन्होंने हमें कई तोहफे दिए हैं। वो यकीनन हमारी इंडस्ट्री के आखिरी सुपरस्टार्स में से एक हैं। हम सिर्फ उनकी और उनके परिवार की खुशियों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं। फिल्म जवान में शाहरुख खान के साथ नजर आईं प्रियामणि ने हाल ही में शाहरुख खान द्वारा उनके और साथी अभिनेत्रियों के प्रति दिखाए गए दयालु व्यवहार का एक किस्सा साझा किया। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री ने एक घटना का खुलासा किया जब शाहरुख खान ने महिला कलाकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की और उनके साथ होटल तक जाने के लिए बॉडीगार्ड की एक गाड़ी का इंतजाम किया। गलाटा प्लस को दिए एक इंटरव्यू में, प्रिया मणि ने कहा, ष्चेन्नई में एटली सर का जन्मदिन था, इसलिए हम सब वहाँ जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गए थे। मुझे लगता है कि यह लगभग सुबह के 3 या 4 बजे की बात होगी। हम लड़कियाँ होटल वापस जा रही थीं। उन्होंने आकर हमें अलग–अलग विदा किया। वह कार तक आए। और उन्होंने बॉडीगार्ड्स की एक गाड़ी हमारे पीछे होटल तक लगा दी क्योंकि होटल से लगभग 45 मिनट से एक घंटे की दूरी थी। इसलिए उन्होंने गाड़ी हमारे पीछे लगा दी। हमने कहा, ष्आप जा सकते हैं।ष उन्होंने कहा, ष्नहीं, ये सर द्वारा दिए गए विशेष निर्देश हैं। हमें आपको विदा करना है।ष एटली द्वारा निर्देशित ष्जवानष नयनतारा की बॉलीवुड में पहली फिल्म भी है। यह एक जेल वार्डन की दिलचस्प कहानी है जो दुस्साहसिक अपराधों के जरिए भ्रष्टाचार और अन्याय का पर्दाफाश करने के लिए कैदियों के साथ मिलकर काम करता है और इस तरह एक अप्रत्याशित पुनर्मिलन का कारण बनता है। फिल्म में, शाहरुख ने कैप्टन विक्रम राठौर, एक पूर्व कमांडो, और आजाद, एक महिला जेल के जेलर, जो विक्रम का बेटा भी है, की दोहरी भूमिकाएँ निभाईं। शाहरुख के अलावा, फिल्म में नयनतारा और विजय सेतुपति जैसे कई बेहतरीन कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। उनके साथ दीपिका पादुकोण, संजय दत्त, सान्या मल्होत्रा, गिरिजा ओक, लहर खान, सुनील ग्रोवर, रिद्धि डोगरा और कई अन्य प्रशंसित कलाकार भी हैं। खैर, प्रिया मणि फिलहाल अजय देवगन के साथ मैदान में नजर आ रही हैं। यह स्पोर्ट्स ड्रामा 11 अप्रैल को रिलीज हुई थी। इससे पहले, प्रियामणि ने इसी साल की शुरुआत में रिलीज हुई यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 में भी उल्लेखनीय अभिनय किया था। फिल्म ने आलोचनात्मक और व्यावसायिक दोनों ही मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद, प्रियामणि मनोज बाजपेयी, शारिब हाशमी और शरद केलकर अभिनीत द फैमिली मैन के तीसरे सीजन में दर्शकों का मनोरंजन करेंगी।

सनी देओल के पोस्टर के बाद अब फिल्म बॉर्डर 2 का एक और पोस्टर सामने आया है। बुधवार को फिल्म के मेकर्स टी–सीरीज और जेपी फिल्म्स ने वरुण धवन का पहला लुक रिलीज किया है। इसमें उनका एक बिल्कुल अलग और दमदार अंदाज देखने को मिला है। पोस्टर में वरुण एक इंडियन सोल्जर के रूप में नजर आ रहे हैं। वह आर्मी यूनिफॉर्म में बंदूक पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे पर एग्रेशन और जज्बा साफ दिखता है। यह लुक उनके किरदार की बहादुरी और जोश को दिखाता है। इससे पहले, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया था। पोस्टर में सनी देओल को उनके सबसे आइकोनिक और युद्ध–सीखे अवतार में देखा गया था। सेना की वर्दी में सनी अपने हाथ में बाजूका लिए नजर आए थे। उनके चेहरे पर देशभक्ति और जिम्मेदारी का भाव भी दिखा। पोस्टर ने सनी की पहली फिल्म श्बॉर्डरश की याद दिलाई थी। फिल्म की रिलीज की तारीख शुरू में 22 जनवरी, 2026 बताई गई थी, लेकिन अब यह सामने आया है कि बॉर्डर 2 अगले साल रिपब्लिक डे वीकेंड पर 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का डायरेक्शन अनुराग सिंह कर रहे हैं। इसमें सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा जैसे कलाकार नजर आएंगे। वहीं, फिल्म को गुलशन कुमार और टी–सीरीज ने जेपी दत्ता की जेपी फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

शाहरुख खान ने हाल ही में अपना 60वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया है. इस खास मौके पर बी टाउन के तमाम सेलेब्स ने किंग खान को सोशल मीडिया पर बर्थडे विश किया था. दिलचस्प बात ये है कि शाहरुख खान ने हर एक की शुभकामनाओं का पर्सनली जवाब भी दिया और हर जवाब से दिल जीत लिया. वहीं शाहरुख को करण जौहर ने भी खास अंदाज में बर्थडे विश किया था. जिसके जवाब में सुपरस्टार ने डायरेक्टर को अपनी एक ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल बनाने का ऑफर डे डाला. करण ने शाहरुख के बर्थडे पर की थी दिल छू लेने वाली पोस्ट बता दें कि फिल्म मेकर ने एक प्यारी सी वीडियो पोस्ट कर शाहरुख खान को बर्थडे विश किया था. उस वीडियो में करण ने शाहरुख खान संग अपन लॉन्गटर्म दोस्ती का जश्न मनाया था. साथ ही लंबा चौड़ा कैप्शन भी लिखा था. करण जौहर ने लिखा था, भाई, करण अर्जुन के सेट पर आपसे मिलने की मेरी एक बहुत ही विविड और डिस्टिनिक्ट याद है... मैं एक राइजिंग सुपरस्टार के ऑरा और मैजिक को एक्सपेक्ट करते हुए गया था, लेकिन एक मैजिकल इंसान से मिला जिसके पास धड़कता हुआ दिल था... शायद सबसे अच्छा पति, सबसे अच्छा पिता, सबसे अच्छा दामाद, सबसे अच्छा भाई और सबसे अच्छा दोस्त जो किसी को भी मिल सकता है! आपकी कंसिस्टेंट काइंडनेस और जेनरोसिटी उतनी ही आइकॉनिक है जितनी आपकी खुली बाहें (जिन्हें एक नेशनल जेस्चर के रूप में ऑफिशियल किया जाना चाहिए) भाई... सिनेमा का भंडार और दुनिया भर में अपने लाखों फैंस को आपने जो प्यार दिया है, वह आपको एक मेगा फिल्म स्टार से कहीं बढ़कर बनाता है... यह आपको एक इमोशन बनाता है... एक ऐसी भावना जिसे हममें से कुछ लोग हर दिन अनुभव करने का सौभाग्य हासिल करते हैं! मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं भाई... हर अच्छे–बुरे समय में साथ रहने और यश, रूही, मां और मेरे परिवार की तरह रहने के लिए धन्यवाद... हमेशा और हमेशा के लिए... जन्मदिन मुबारक!!! हर दशक की तरह यह दशक भी आपका होगा!!!!

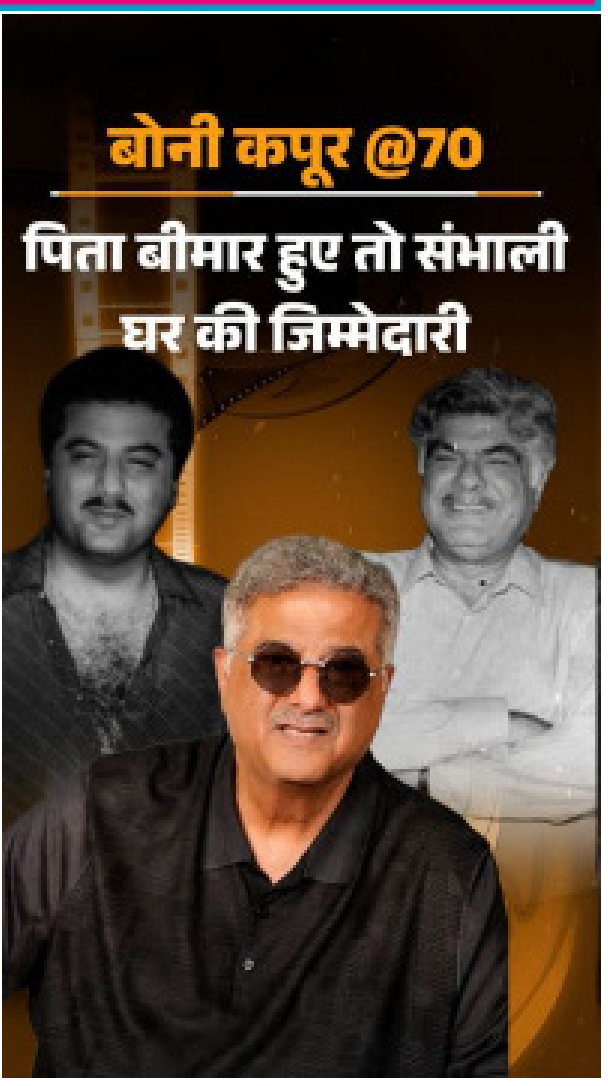

बोनी कपूर हिंदी सिनेमा के जाने–माने फिल्म प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने वो सात दिन और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों का निर्माण किया है, लेकिन इस मुकाम तक पहुंच पाना उनके लिए आसान नहीं था।

जब बोनी कपूर के पिता सुरिंदर मुंबई आए थे, तब परिवार को राज कपूर के गैराज में रहना पड़ता था। हालांकि परिस्थितियां धीरे–धीरे बदलने लगीं। उनके पिता ने हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई, लेकिन बाद में उन्हें दिल की बीमारी हो गई। ऐसे में बोनी कपूर ने परिवार की जिम्मेदारी संभालने का फैसला किया।

आज बोनी कपूर के 70वें जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ बड़े और अहम फैसलों के बारे में३

पिता थे बीमार तो घर की जिम्मेदारी संभाली

बोनी कपूर का बचपन बेहद गरीबी में बीता। बोनी कपूर के पिता सुरिंदर कपूर का जन्म पेशावर में हुआ था। पृथ्वीराज कपूर और सुरिंदर चचेरे भाई थे। पृथ्वीराज करियर बनाने के लिए पेशावर से मुंबई आए थे और फिर उन्होंने मेहनत के बल पर अपना एक अलग मुकाम हासिल किया था।

जब पृथ्वीराज खुद मुंबई में सैटल हो गए तो उन्होंने फिर भाई सुरिंदर को भी मुंबई बुला लिया। यहां सुरिंदर कपूर, पृथ्वीराज के गैराज में परिवार के साथ रहा करते थे। शुरुआत में गीता बाली के असिस्टेंट बनकर काम किया। इसके बाद उन्होंने फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखा। सुरिंदर के तीन बेटे बोनी कपूर (प्रोड्यूसर), अनिल कपूर (एक्टर) और संजय कपूर (एक्टर) हैं। जब सुरिंदर कपूर को दिल की बीमारी हो गई, तो उन्हें तनाव नहीं देने के लिए बोनी कपूर ने खुद घर की जिम्मेदारी संभाली।

बोनी कपूर ने गलाटा प्लस से बातचीत में कहा– जब मेरी दादी का निधन हुआ, तो अनिल और मैंने तय किया कि वह एक्टिंग करेंगे और मैं प्रोडक्शन संभालूंगा। घर पर भी किसी को तो काम चलाना ही था। मेरे पिता को दिल की बीमारी थी। हम उन्हें तनाव नहीं देना चाहते थे। बता दें कि सुरिंदर कपूर का 24 सितंबर, 2011 को निधन हो गया था।

साल 1980 में पहली फिल्म डायरेक्ट की

बोनी कपूर ने साल 1980 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने फिल्म श्हम पांचश प्रोड्यूस की थी, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती, संजीव कुमार, शबाना आजमी, राज बब्बर और नसीरुद्दीन शाह लीड रोल में थे। इसके बाद बोनी की अगली फिल्म श्वो सात दिनश थी, जो काफी हिट हुई थी। इस फिल्म से बोनी कपूर ने अपने छोटे भाई अनिल कपूर को हिंदी सिनेमा में लॉन्च किया था। फिल्म में उनके साथ पद्मिनी कोल्हापुरी और नसीरुद्दीन शाह लीड रोल में थे।

इनके अलावा बोनी कपूर ने 1987 की साइंस फिक्शन फिल्म श्मिस्टर इंडियाश प्रोड्यूस की थी। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी जो उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। मिस्टर इंडिया एक कल्ट क्लासिक फिल्म थी, जिसमें श्रीदेवी, अनिल कपूर के अपोजिट नजर आई थीं।

10 साल छोटी मोना शौरी से की थी पहली शादी

बोनी कपूर और मोना शौरी ने 1983 में अरेंज मैरिज की थी। बोनी पत्नी मोना से 10 साल बड़े थे। दोनों ही इस विवाह से खुश थे। साल 1985 में उन्होंने बेटे अर्जुन कपूर को जन्म दिया और 1987 में बेटी अंशुला कपूर का जन्म हुआ।

परिवार में सब ठीक चल रहा था, लेकिन फिर शादी के 13 साल बाद अचानक खबर आती है कि बोनी कपूर और श्रीदेवी दोनों शादी करने वाले हैं। जैसे ही मोना को यह बात पता चली तो उन्हें शॉक लगा और एहसास हुआ कि उनका घर टूट चुका है। इसके बाद दोनों ने साल 1996 में तलाक ले लिया। तलाक के बाद भी मोना, बोनी के घर में लगभग दस साल रहीं।

गुड़मार जिसे 'मधुनाशिनी' भी कहा जाता है, आयुर्वेद में एक बहुत ही गुणकारी औषधीय जड़ी–बूटी मानी जाती है। इसका अर्थ ही होता है जो गुड़ (शक्कर) को नष्ट करे। यानी यह ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए बेहतरीन है। अगर आप गुड़मार को रोजाना नियंत्रित मात्रा में लेते हैं, तो यह शरीर को डिटॉक्स, एनर्जी और रोग–प्रतिरोधक ताकत से भर देता है। चलिए जानते हैं इसके चमत्कारी फायदों के बारे में

गुड़मार शुगर लेवल कैसे संतुलित करती है

गुड़मार शरीर में इंसुलिन हार्मोन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाती है, जिससे ब्लड में मौजूद शुगर कोशिकाओं तक पहुंचती है और ऊर्जा में बदल जाती है। इसके पत्तों में एक विशेष तत्व होता है जो जीभ की मीठा पहचानने की क्षमता को अस्थायी रूप से कम कर देता है, जिससे मीठा खाने की बतंअपदह घटती है। गुड़मार आंतों में शुगर के अवशोषण को धीमा करती है, जिससे भोजन के बाद ब्लड शुगर का स्तर अचानक नहीं बढ़ता।

सेवन का सही तरीका

यह जड़ी–बूटी बीटा सेल्स को सक्रिय करती है, जो इंसुलिन बनाने में मदद करती हैं कृ इससे शुगर लेवल स्वाभाविक रूप से संतुलित रहता है। सुबह खाली पेट या रात के खाने के बाद) चम्मच गुड़मार पाउडर गुनगुने पानी के साथ लें या फिर गुड़मार की चाय (2–3 पत्ते पानी में उबालकर) दिन में एक बार पिएं। अगर आप पहले से डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो गुड़मार लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएं इसका सेवन न करें।

गुड़मार खाने के और भी हैं फायदे

इसमें मौजूद ऐंटिऑक्सिडेंट्स लिवर को डिटॉक्स करते हैं और किडनी को सुरक्षित रखते हैं। गुड़मारमीठा खाने की इच्छा कम करती है, जिससे वजन नियंत्रित रहता है। इसके सेवन से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे सर्दी–जुकाम, थकान, संक्रमण जैसी दिक्कतें दूर रहती हैं। यह शरीर से खराब फैट (एलडीएल) को घटाकर हार्ट को हेल्दी रखती है।

फ्रिज के ऊपर भूलकर भी ना रखें ये चीज़ें

वास्तुशास्त्र के अनुसार फ्रिज सिर्फ एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह घर की ऊर्जा पर भी असर डालता है। अगर इसके ऊपर कुछ गलत चीजें रख दी जाएं, तो यह घर की सकारात्मक ऊर्जा को कमजोर कर सकता है और नकारात्मकता बढ़ा सकता है। आइए जानते हैं घर के फ्रिज के ऊपर क्या नहीं रखना चाहिए।

देवी–देवताओं की तस्वीरें या मूर्तियां

फ्रिज एक तामसिक (भोजन संग्रह करने वाला) उपकरण है,इसलिए इसके ऊपर पूजा–संबंधी वस्तुएं या भगवान की तस्वीरें रखना वास्तु दोष माना जाता है। इससे घर में धन और सुख–सौभाग्य की ऊर्जा प्रभावित होती है।

पानी से जुड़ी चीजें (जैसे बोतल, जग, बर्फ का बर्तन)

फ्रिज खुद जल तत्व से जुड़ा होता है। इसके ऊपर पानी से जुड़ी वस्तुएं रखने से जल तत्व का असंतुलन होता है, जिससे घर मेंविवाद, मानसिक तनाव और अस्थिरता बढ़ सकती है।

मसाले या खाना रखने के डिब्बे

भोजन से जुड़ी चीजें (जैसे अचार, मसाले, अनाज) फ्रिज के ऊपर रखने से रसोई की ऊर्जा गड़बड़ा जाती है और यह बीमारियां व आर्थिक रुकावटें ला सकता है।

भारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

फ्रिज के ऊपर माइक्रोवेव या ओवन रखना वास्तु के अनुसार अग्नि और जल तत्व का टकराव है। इससे घर में कलह, गुस्सा और मानसिक अशांति बढ़ती है।

कचरा या बेकार चीजें

ऐसी वस्तुएं नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। फ्रिज के ऊपर अव्यवस्था रखना न हानि, मन की बेचैनी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

क्या रखना चाहिए फ्रिज के ऊपर?

अगर फ्रिज के ऊपर जगह खाली नहीं छोड़ी जा सकती, तो वहां–उवदमल चसंदज या तुलसी का पौधा रख सकते हैं या लाल कपड़ा बिछाकर हल्की सजावट की वस्तु (जैसे छोटा शोपीस) रख सकते हैं। यह ऊर्जा को संतुलित करता है और घर में सकारात्मकता बनाए रखता है। घर की अच्छी ऊर्जा के लिए कोशिश करें कि फ्रिज के ऊपर साफ–सुथरा और खाली स्थान बना रहे।

हर लड़की अपनी शादी में खूबसूरत दिखना चाहती है, ऐसे में वह शादी से महीने पहले ही पार्लर में कुछ न कुछ ब्यूटी ट्रीटमेंट्स लेने लगती हैं। इसमें बहुत सारे पैसे तो खर्च होते ही हैं, कई बार मनचाहा रिजल्ट भी नहीं मिलता। उल्टा प्रोडक्ट्स में मिले केमिकल्स स्किन को खराब कर सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप घर पर ही कुछ घरेलू नुस्खों को फॉलो करें, इससे आपकी स्किन पर नेचुरल ग्लो आएगा और शादी के दिन आपको ज्यादा मेकअप की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। आइए आपको बताते हैं इनके बारे में....

हल्दी उबटन

अगर आप शादी के दिन नेचुरल ग्लो चाहती हैं तो हल्दी वाला फेसपैक लगाएं। इसके लिए 2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच बेसन और 8–9 चम्मच कच्चा दूध डालें। इससे हर रोज चेहरे और अपने हाथ– पैरों पर लगाएं।

नाइट सीरम

ऐसे में चेहरे पर होममेड नाइट सीरम जरूर लगाएं। इसके लिए एक चम्मच एलोवेरा जेल में आधा चम्मच गुलाब जल और 3–4 ड्रॉप्स टी ट्री ऑयल डालकर मिक्स करें और चेहरे पर लगाकर सो जाएं।

नारियल पानी या जूस का करें सेवन

स्किन केयर के साथ दमकती त्वचा के लिए बॉडी को अंदर से डिटॉक्स करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए रोजाना एक गिलास नारियल पानी जरूर पीएं। हेल्थ और स्किन के लिए कोकोनट वॉटर अच्छा होता है।

हेयर केयर भी है जरूरी

हफ्ते में एक बार हेयर पैक जरूर लगाएं। बालों में ऑयलिंग भी खूब अच्छे से करें, इसके साथ ही कंडीशनिंग भी करें। इससे आपके बाल शाइनी होने के साथ–साथ जानदार बन जाएंगे।

वैसे तो नाखून हमारी उंगलियों की खूबसूरती बढ़ाते हैं, लेकिन इनका सिर्फ इतना ही काम नहीं है। इससे हमारी सेहत के बारे में काफी कुछ पता चल जाता है। हमारे नाखून ज्यादातर सफेद ही होते हैं, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो पाएंगे की कई बार नाखूनों का रंग बदला होता है। ये बीमारी का भी संकेत हो सकते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो पीले नाखून पीलिया की समस्या के कारण हो सकते हैं। वहीं नीले नाखून दिल की बीमारी का संकते हो सकते हैं। इसके अलावा भी कई सारे कारणों से नाखून नीले पड़ सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में. ..

दिल से संबंधित समस्याएं

नाखूनों में नीलेपन का कारण दिल संबंधी रोग भी हो सकते हैं। कॉग्नेटिव हार्ट डिजीज की स्थिति में नाखून और त्वचा के रंग में इस तरीक के बदलाव देखे जा सकते हैं। ईसेनमेंजर सिंड्रोम जैसी दिल संबंधी समस्याओं का जोखिम हो सकता है। दिल की समस्याएं गंभीर दिक्कतों का कारण बन सकती हैं, कुछ मामलों में इनके घातक होने का भी जोखिम होता है, इसी वजह से नाखूनों में हो रहे बदलाव पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

ऑक्सीजन की हो सकती है शरीर में कमी

फेफड़ों से जुड़े रोगों के चलते भी नाखूनों का नीला रंग हो सकता है। इसमें क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) भी शामिल है। सीओपीडी, फेफड़ों की कई प्रकार की समस्याओं का संयुक्त रूप माना जाता है। इसमें शरीर में ऑक्सीजन का सही तरीके से संचार नहीं होता और नाखूनों में नीलापन के साथ, सांस लेने में दिक्कत, निमोनिया, फेफड़ों में इंफेक्शन जैसी समस्या हो सकती है। इससे शरीर के अन्य अंगों पर भी नकारात्मक असर देखा जा सकता है।

लो ब्लड प्रेशर

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर लो रहता है, उन्हें भी ये समस्या हो सकती है। इसके अलावा नाखून में सफेद धब्बे कैल्शियम की कमी होने के कारण होते हैं।

खून की कमी

वैसे नाखूनों में हल्का गुलाबी रंग को अच्छे स्वास्थ्य की निशानी होता है, लेकिन वहीं अगर शरीर में खून, मिनरल्स या विटामिन की कमी है तो नाखून नीले पड़ जाते हैं।

क्यों बदलता है नाखूनों का रंग

बता दें कि नाखून कैरेटिन नामक तत्व से बनता है। ऐसे में जब शरीर में इस तत्व की कमी होती है तो नाखून की ऊपर परत पर इसका असर दिखता है। नाखूनों का रंग बदलने लगता है, जिससे शरीर में पनप रहे रोगों का संकेत मिलता है।

डॉक्टर को कब दिखाएं

सांस कम आने पर, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलने या हांफने पर।

छाती में दर्द होने पर।

बहुत ज्यादा पसीना आना।

चक्कर आना या बेहोश होने पर।

संक्षिप्त

इस्राइली लोगों का फलिस्तीनी गांवों पर हमला, लगाई आग

इस्राइल और फलिस्तीनी अधिकारियों ने बताया कि दर्जनों नकाबपोश इस्राइल निवासियों ने मंगलवार को कब्जे वाले पश्चिमी तट के दो फलिस्तीनी गांवों पर हमला किया और वाहनों व अन्य संपत्तियों में आग लगा दी। इसके बाद उपद्रव को रोकने के लिए भेजे गए इस्राइल सैनिकों के साथ उनकी झड़प हुई। यह पश्चिमी तट पर युवा प्रवासियों द्वारा किये गए हमलों की श्रृंखला में नवीनतम था। इस्राइली पुलिस ने कहा कि चार इस्राइल नागरिकों को ष्चरमपंथी हिंसाष के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि इस्राइल सेना ने बताया कि चार फलिस्तीनी घायल हुए हैं। पुलिस और इस्राइल की शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

ब्रिटिश राजनीतिक टिप्पणीकार सामी हमदी अमेरिका छोड़ने को तैयार

ब्रिटिश राजनीतिक टिप्पणीकार सामी हमदी दो हफ्ते से अधिर समय तक आव्रजन हिरासत में रहने के बाद स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने जा रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने इस्राइल की आलोचना की थी। ट्रंप प्रशासन ने उन पर हमास का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हमदी 26 अक्टूबर को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले अमेरिका में एक भाषण दौरे पर थे। गिरफ्तारी से एक दिन पहले ही उन्होंने काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) के सैक्रामेंटो, कैलिफ़ोर्निया चौप्टर के वार्षिक समारोह को संबोधित किया था। सोमवार देर रात एक बयान में संगठन ने कहा कि हमदी ने स्वेच्छा से अमेरिका छोड़ने के प्रस्ताव को स्वीकार करने का फैसला किया है।

इस्राइल में महाराजा दिग्विजय सिंह की प्रतिमा का अनावरण

इस्राइल में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश और कुछ यहूदी बच्चों के सम्मान में नवानगर (अब जामनगर) के महाराजा दिग्विजयसिंह रंजीतसिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। भारतीय और कोचिनी यहूदी विरासत केंद्रों ने उन्हें असाधारण करुणा के लिए सम्मानित किया। उन्होंने 1942 में यहां 1,000 बच्चों के लिए आश्रय बनवाया था।

अमेरिका में गूंजेगी महाकुंभ की धुन, ग्रैमी के लिए नामांकन

अब जल्द ही अमेरिका में भी महाकुंभ की धुन गूंजेगी। एल्बम साउंड्स ऑफ कुंभ को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम की श्रेणी में 68वें ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकन मिला है। यह एल्बम महाकुंभ उत्सव से प्रेरित है। इसे गायक–कंपोजर सिद्धांत भाटिया की तरफ से प्रस्तुत किया गया है। इस एल्बम में 12 उम्दा गीत हैं।

तुर्किये का सैन्य विमान जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त 20 जवान थे सवार

तुर्किये का एक सैन्य मालवाहक विमान मंगलवार को जॉर्जिया में अजरबैजान की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में चालक दल समेत 20 सैन्यकर्मी सवार थे। हालांकि, तत्काल हताहतों के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। विमान सी–130 सैन्य मालवाहक था, जो अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्किये लौट रहा था।

टेक्सास नदी में कयाक पलटने से दो किशोर डूबे, पिता लापता

टेक्सास की एक नदी में कयाक पलट जाने से दो किशोर डूब गए और उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदने वाले एक लड़के के पिता अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सैन जैसिंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि दोनों किशोर कैमिला शहर के निकट और लिविंगस्टन बांध के दक्षिण में एक नाव रैंप के पास थे, जब रविवार शाम को ट्रिनिटी नदी में तूफानी स्थिति के कारण उनकी कयाक पलट गई। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, एक लड़के के पिता उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद पड़े। तीनों पानी में डूब गए और फिर बाहर नहीं आ पाए। टेक्सास पार्क एवं वन्यजीव विभाग के कानून प्रवर्तन प्रभाग, टेक्सास गेम वार्डन्स के अनुसार, 14 और 15 वर्ष की आयु के दो किशोरों के शव रविवार रात को बरामद किये गये।

जमैका में तूफान मेलिसा से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 45, अभी भी 15 लापता

जमैका में तूफान मेलिसा से मरने वालों की संख्या बढ़कर 45 हो गई है, जबकि 15 अन्य लोग लापता हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि अधिकारी अभी भी दो कस्बों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं, जो 28 अक्टूबर को पश्चिमी जमैका में श्रेणी 5 के विनाशकारी तूफान के आने के बाद से ही कटे हुए हैं। जमैका के आपातकालीन प्रबंधन कार्यालय के महानिदेशक एल्विन गेल ने बताया कि हेलीकॉप्टरों से उन दोनों समुदायों में खाद्य सामग्री और अन्य बुनियादी सामग्री पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तूफान के कारण 30,000 परिवार विस्थापित हो गए हैं, 1100 लोग अभी भी 88 आपातकालीन आश्रयों में रह रहे हैं। गेल ने बताया कि लगभग तीन दर्जन सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं, क्योंकि मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया कि 50: ग्राहकों के पास मोबाइल सेवा है, तथा 70: से अधिक ग्राहकों के पास अब पानी उपलब्ध है। इस बीच, कर्मचारियों ने 60: से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली बहाल कर दी है।

भारत में नए अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवा करने के लिए उत्सुक–सर्जियो गोर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को कहा कि वह नई दिल्ली में अपना नया कार्यभार संभालने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने देश में वाशिंगटन के दूत के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार व्यक्त किया। सर्जियो गोर ने ट्वीट करते हुए लिखारू ष्भारत में अमेरिका के नए राजदूत बनने के लिए मैं बहुत उत्सुक हूं। धन्यवाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप! मैं इस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं।

पीओके में आतंकियों की मीटिंग, दिल्ली ब्लास्ट की साजिश मुनीर ने रची ? पाकिस्तान के पूर्व मेजर का हैरान करने वाला खुलासा

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की एक ऐसी साजिश का खुलासा हुआ है जिसके सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। दरअसल पाकिस्तान के एक पूर्व मेजर आदिल रजा ने दावा किया है कासिम मुनीर भारतीय नेवी के 20 जहाज डुबोने का प्लान बना रहा है। इसके लिए पाकिस्तान के मिराज विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। पाकिस्तान के रिटायर होने वाले फाइटर जेट्स को भारत के वॉरशिप से टकरा दिया जाएगा। 50 साल पुराने यह विमान पाकिस्तान को फ्रांस से मिले थे। फिलहाल पाकिस्तान की वायुसेना में 51 मिराज 3 और 37 मिराज फाइव फाइटर जेट मौजूद हैं जो 50 साल से ज्यादा पुराने हैं। आपको बता दें कि मुनीर की पर हारबर साजिश का खुलासा करने वाले आदिल रजा पहले पाकिस्तानी फौज में मेजर थे। मगर जैसे ही इन्होंने मुनीर की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाई मुनीर ने कोर्ट मार्शल करके इन्हें निकलवा दिया। तब से विदेश में बैठकर मुनीर एंड कंपनी को यह एक्सपोज करते रहते हैं। आपको याद होगा आदिल ने ही सबसे पहले यह दावा किया था पहलगाम हमले के पीछे मुनीर का हाथ है। इसके अलावा आदिल रजा ने ही मई महीने में कहा था मुनीर दिल्ली को दहलाने की साजिश भी रच रहा है। लालकिला बम ब्लास्ट मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय अधिकारियों ने इसे विस्फोट से जुड़े जैश–ए–मोहम्मद मॉड्यूल को ध्वस्त करने के मामले में सख्त तथा त्वरित कार्रवाई बताया है। गृह मंत्रालय अधिकारियों ने इसे भारत द्वारा आतंकवाद का कठोरता से जवाब देना बताया है। अधिकारियों ने कहा कि लाल किले के पास हुए विस्फोट के तार जम्मू–कश्मीर से जुड़े बताए गए हैं। जिसमें जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस चौकी के क्षेत्र में कुछ आपत्तिजनक पोस्टर चिपके पाए गए थे। मामले में 19 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज की गई। जिसमें मौलवी इरफान अहमद वाघे को शोपियां से और जमीर अहमद को वाकुरा को गांदरबल से 20 से 27 अक्टूबर के बीच गिरफ्तार किया गया। 5 नवंबर को डॉक्टर आदील को सहारनपुर से पकड़ा गया और सात नवंबर को एक ।झ–56 बंदूक और अन्य गोला–बारूद अनंतनाग के एक अस्पताल से जब्त किया गया। 8 नवंबर को कुछ और बंदूक, पिस्तौल और बारूद अलफला मेडिकल कॉलेज से जब्त किए गए। गृह मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि इनसे पूछताछ के दौरान इस मॉड्यूल में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद फरीदाबाद के अलफला मेडिकल कॉलेज से एक डॉक्टर मुजम्मिल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी सुरागों के आधार पर और गिरफ्तारियां भी की गई और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद भी जब्त किया गया। फिर 9 नवंबर को फरीदाबाद में ही मदरासी नामक व्यक्ति जो धौज फरीदाबाद का निवासी था। उसे उसके घर से पकड़ा गया और फिर अगले ही दिन 10 नवंबर को विस्फोटों की बड़ी मात्रा की खेप 2563 किलो को फरीदाबाद की धेरा कॉलोनी में पकड़ी गई।

जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नियाग्रा में जी–7 के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की आशा जताई। जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने जी–7 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी के लिए आनंद को बधाई दी और 'नए रोडमैप 2025' के कार्यान्वयन में प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हम अपनी द्विपक्षीय साझेदारी और मजबूत होने की आशा करते हैं।'' आनंद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने ''व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर सहयोग'' के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, ''जी–7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री की भागीदारी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'' कनाडा ने जी–7 बैठक के लिए जिन साझेदार देशों को आमंत्रित किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन शामिल हैं। कनाडा ने पिछले सप्ताह कहा था कि जी–7 सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा और समृद्धि, आर्थिक लचीलापन, ऊर्जा सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होगी। जयशंकर की कनाडा यात्रा आनंद की भारत यात्रा के एक महीने बाद हो रही है, जब दोनों पक्षों ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप का अनावरण किया था। अपनी बैठक में, दोनों विदेश मंत्रियों ने वैश्विक आर्थिक वास्तविकताओं और एक–दूसरे की 'रणनीतिक प्राथमिकताओं' को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय व्यापार और निवेश पर जल्द से जल्द मंत्रिस्तरीय चर्चा शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी।

भूटान के लिए भारत ने खोला खजाना, दोनों देश मिलकर लिखेंगे संबंधों का 'स्वर्णिम अध्याय'

भारत और भूटान के रिश्ते हमेशा से ही खास रहे हैं। दोनों देशों ने आपसी तालमेल को हमेशा ही बनाए रखा है और इस कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए पीएम मोदी फिर से भूटान पहुंचे। पीएम मोदी का यह दौरा बेहद ही खास है। जहां दोनों देशों ने सामरिक रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया। इस दौरे की सबसे खास बात कुछ है तो वह है भारत की ओर से भूटान के लिए किया गया बड़ा ऐलान और यह बड़ा ऐलान है 4000 करोड़ की लाइन ऑफ क्रेडिट यानी कर्ज देने की सीमा की घोषणा जिससे भूटान को अपने विकास प्रोजेक्ट्स के लिए इसके तहत धन प्राप्ति हो पाई। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुंच और आसान हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। दोनों देशों के बीच तीन एमओयूस पर भी करार हुआ जो कि तीन अलग–अलग क्षेत्रों में शामिल है। जिसमें पहला क्षेत्र है नवीनीकरण ऊर्जा। इस क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग के लिए इसे किया गया है। इसका उद्देश्य सौर, पवन, बायोमास, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में मिलकर एक साथ काम करना होगा। इसके साथ ही दूसरा एमओयू स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में किया गया। इस एमयू का उद्देश्य दवाओं, डायग्नोस्टिक उपकरणों, मातृ स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा, डिजिटल हेल्थ और स्वास्थ्य पेशेरों के प्रशिक्षण और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ाना है। इसके साथ ही जो तीसरा एमयू दोनों देशों के बीच साइन किया गया है वो है पेमा सेक्रेटेरिएट और निभांस के बीच जो कि मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में दोनों देशों के बीच किया गया एमयू है। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत–भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण–प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी इसी दूरदर्शी नींव ने भूटान को दुनिया का पहला कार्बन–निगेटिव देश बनने में सक्षम बनाया है जो असाधारण उपलब्धि है।

रिश्तों को अहमियत देना जानते हैं, भूटान के वरिष्ठ संपादक ने की पीएम मोदी की प्रशंसा

भूटान के वरिष्ठ संपादक तेनजिंग लामसेंग ने पीएम मोदी की भूटान यात्रा को एक सुखद आश्चर्य बताते हुए कहा कि वह रिश्तों को अहमियत देना जानते हैं। तेनजिंग ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद हम सोच रहे थे कि क्या प्रधानमंत्री मोदी आ पाएंगे, लेकिन भूटान को उनके आने पर सुखद आश्चर्य हुआ। यह इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रिश्ते के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। इस रिश्ते को उन्होंने 2014 में भूटान की अपनी पहली विदेश यात्रा के बाद से पोषित करने में मदद की है। तेनजिंग ने एक के बाद एक पोस्ट में कहा, पीएम मोदी की यह यात्रा न सिर्फ दोनों देशों के निर्मित 1020 मेगावाट की पुनात्सांगचू 2 जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन करने के लिए है, बल्कि 1972 से भूटान–भारत संबंधों में मुख्य शक्ति रहे महामहिम चतुर्थ नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक को सम्मानित करने के लिए भी है।

'टैक्स सिस्टम से आपको कंट्रोल किया जाता है', एलन मस्क की इस वीडियो ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

वॉशिंगटन। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे टैक्स सिस्टम पर निशाना साधते दिख रहे हैं। एलन मस्क के इस वीडियो को कई लोगों ने साझा किया है। ब्रिटेन के मानवाधिकार कार्यकर्ता जिम फर्ग्यूसन ने भी एलन मस्क की इस वीडियो को साझा किया है। वीडियो के साथ फर्ग्युसन ने लिखा कि श्एलन मस्क ने आधुनिक गुलामी को एक वाक्य में समझा दिया है। आप काम करते हैं, तो आपको टैक्स देना पड़ता है। आप कुछ खरीदते हैं तो भी आपको टैक्स

देना पड़ता है और अगर आपके पास कोई संपत्ति है तो उस पर भी आपको टैक्स देना पड़ता है। फर्ग्युसन ने लिखा कि श्यह आपको कंट्रोल करने का चक्र है। एक ऐसी व्यवस्था है, जो आपको आदेश मानने के लिए बनाई गई है। सरकार आपके पैसे को उन चीजों पर खर्च करती है, जिन पर आपकी सहमति ही नहीं होती। हर वेतन, हर खर्च और हर संपत्ति नौकरशाही की कई परतों से होकर गुजरती है और आखिर में क्या बचता है? आपने जो कमाया उसका छोटा सा हिस्सा और इसके बदले आपको मिलता है आजादी का झूठा अहसास। जिम फर्ग्युसन ने लिखा कि श्एलन मस्क ने बहुत गहरी बात कही है। समस्या टैक्स सिस्टम में नहीं है बल्कि इसे हथियार बनाकर इस्तेमाल करने में है। इससे अंतहीन युद्धों को फंड किया जा रहा है, गैर जरूरी प्रोजेक्ट को चलाया जा रहा है। सरकार लोगों से चलती है और ऐसा दिखाया जाता है कि यह लोगों की सेवा के लिए है। यह जनसेवा नहीं है बल्कि यह जनता का शोषण है। अब इस चक्र को तोड़ने का समय आ गया है।

2.30 लाख भारतीयों ने सितंबर तक किया जापान का भ्रमण

जापान घूमने जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में इस साल जबर्दस्त वृद्धि दर्ज की गई है। जापान पर्यटन एजेंसी के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक 2.30 लाख भारतीय पर्यटकों ने जापान का भ्रमण किया। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 37 फीसदी अधिक है। वर्ष 2024 में कुल ढाई लाख से अधिक भारतीय जापान घूमने गए थे। एक बयान में कहा गया कि जापान में भारतीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ संबंधों का प्रमाण है।

मैक्सिको में गुप्त कब्रगाह में मिले 16 शव, लापता लोगों के होने का संदेह

मैक्सिको के कैनकन शहर के पास एक गुप्त कब्रगाह में 16 लोगों के शव बरामद होने से सनसनी फैल गई है। क्विंटाना रू प्रांत के अटॉर्नी जनरल रासील लोपेज सालाजार ने बताया कि यह कब्रिस्तान कैनकन से 42 किमी पश्चिम में लियोना विकारियो कस्बे में स्थित है। अब तक 10 अलग–अलग स्थानों 16 लोगों के अवशेष मिल चुके हैं, जिन्हें सीमेंट और चूने से ढका हुआ था। मेक्सिको में 1.33 लाख से अधिक लोग लापता हैं, जिनमें से ज्यादातर पिछले दो दशकों में गायब हुए हैं।

दुर्घटनाग्रस्त हुए तुर्किए के सैन्य मालवाहक विमान में सवार सभी 20 कर्मियों की मौत

तुर्किए के रक्षा मंत्री ने बुधवार को बताया कि जॉर्जिया में दुर्घटनाग्रस्त हुए उनके एक सैन्य मालवाहक विमान में सवार सभी 20 कर्मियों की मौत हो गई है। सी–130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्किए वापस आ रहा था, जब मंगलवार को यह अजरबैजान सीमा के पास जॉर्जिया के सिग्नाघी नगरपालिका में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यौन उत्पीड़नः जूरी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की सुप्रीम कोर्ट से एक सिविल केस में जूरी के फैसले को खारिज करने का अनुरोध किया है। यह मामला न्यूयॉर्क की लेखिका ई जीन कैरोल से जुड़ा है, जिसकी सुनवाई के दौरान जूरी ने पाया।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ शुक्रवार, 14 नवम्बर 2025

अखिलेश यादव बोले–यूपी के एक्जिट पोल में क्या दिखा रहे थे, सब हरा रहे थे हमें...हुआ क्या ?

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को लखनऊ के सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, भाजपा वाले नकल करने में बहुत आगे हैं और कुछ कर नहीं सकते। बस प्रचार करते हैं। कभी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट बताएंगे। कभी ये बताएंगे कि यूनेस्को ने नाम दर्ज कर लिया। लखनऊ में कौन सा खाना प्रसिद्ध है, यह नहीं बताएंगे? सरकार जरूरी बात पर कुछ नहीं बोल रही। किसानों की मंडियों की ओर नहीं सोच रही। जब बोलती है बस कम्युनल। नई पीढ़ी सबको साथ लेकर चलना चाहती है। उसका व्यवहार दोस्ताना होता है। सोच बड़ी होती है। हर धर्म के प्रति सहिष्णु होती है।सबके लिए प्रेम होता है। पर्यावरण की समस्या को समझती है। इंसानियत से भरी होती है। अमन चौन और तरक्की चाहती है। लेकिन ऐसी सरकार है जो खुद भी दुखी है और लोगों को भी दुखी रखना चाहती है। ये सरकार एक्सप्रेस–वे को बलिया से जोड़ देती तो कितना बेहतर होता। भाजपा चौनलों का इस्तेमाल करती है बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को आए एक्जिट पोल में एनडीए को बढ़त दिखाए जाने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल केवल भूमिका बना रहे ताकि ये लोग बेईमानी कर सकें। यूपी के एक्जिट पोल में क्या दिखा रहे थे। सब हरा रहे थे हमें। हुआ क्या? फर्रुखाबाद में उस समय के डीएम ने बेइमानी की। 2022 में कन्नौज सीट पर डीएम ने बेइमानी की। ये हमें और आपको स्वीकार करना पड़ेगा कि भाजपा एग्जिट पोल और चौनलों का इस्तेमाल नैरेटिव सेट करने के लिए इस्तेमाल करती है।आप चीन पर टैरिफ क्यों नहीं लगा रहे इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि सरकार स्वदेशी का चूर्ण खिला रही है। ये स्वदेशी का नारा हमें और आपको गुमराह करने का है। ये लोग मन से विदेशी हैं और अगर मन से विदेशी हैं तो आप चीन पर टैरिफ क्यों नहीं लगा रहे। कुछ जगह चढ़ावे में सोना का दाना चढ़ रहा है। अभी सुनने में आया कि राज्य में किसान के लिए एग्रीकल्चर डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया गया। ये डिजिटल में रियल टाइम अवेलेबिलिटी की बात कर रहे। लेकिन, जमीन पर कुछ उपलब्ध नहीं करा रहे। ये सरकार जमीन और खाद की लूट कर रहे। ये सरकार किसानों के प्रति ईमानदार नहीं रही। ये प्लेटफार्म 9 साल पहले क्यों नहीं बनाया।

क्या अमीनाबाद में एक और नया थाना बन गया है

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अमीनीबाद क्षेत्र मे लगता है कि एक और नया थाना श्री राम रोड चौराहा बना दिया गया है। पर किसी को भनक तक नहीं लगी ,यहां तक उत्तरप्रदेश के नक्शे पर भी इस नये थाने का कोई पता नहीं है।,पुलिस विभाग के शीर्ष अफसरों को शायद इस अण्डर कवर थाने की जानकारी हो। यदि किसी पीड़ित को अपनी शिकायत करनी हो तो क्या पीड़ित फोन पर यह कहेगा कि क्या मेरी श्री राम रोड चौराहा थाना प्रभारी से बात हो रही है। जब श्री राम रोड चौराहा पर लगे इस छोटे से फ्लेक्स पर अंकित थाना प्रभारी के नंबर को चेक किया गया तो यह नंबर श्री राम रोड चौराहा थाना प्रभारी का न होकर थाना प्रभारी अमीनाबाद का निकला। भले ही यह बोर्ड केवल चौराहे का संकेत मात्र ही हो लेकिन यह आम लोगों के लिये भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। क्या थाना प्रभारी बता सकते है कि श्री राम रोड चौराहा थाना कहां पर स्थित है।

सीएम योगी की आधी रात तक डीजीपी–चीफ सेक्रेटरी संग बैठक

लखनऊ,संवाददाता। दिल्ली विस्फोट का कनेक्शन सीधे यूपी से जुड़े होने के मिले तथ्य पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कदम उठाए। देवीपाटन मंदिर से ही डीजीपी, मुख्य सचिव संग डीजी इंटेलिजेंस के साथ वर्चुअली समीक्षा की। सीएम ने मथुरा, काशी, आयोध्या की सुरक्षा को अभेद्य करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल मूव करने के निर्देश दिए। तीनों मुख्य शहरों के डीएम व कमिश्नर को भी मंदिरों की सुरक्षा की निगरानी को मौके पर पहुंचने को कहा। मंदिर से ही सीएम आधी रात तक डीजीपी व मुख्य सचिव से सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे हर कदम की पल–पल जानकारी लेकर दिशा–निर्देश देते रहे। प्रदेश मुख्यालय से लगभग 160 किलोमीटर दूर भारत–नेपाल सीमा पर स्थित देवीपाटन मंदिर के ब्रह्मलीन महंत को श्रद्धांजलि देने सीएम योगी आदित्नाथ यहां आए थे। संत सम्मेलन शुरू होने के कुछ घंटे बाद डीजी इंटेलिजेंस की ओर से दिल्ली के लालकिले पर हुए विस्फोट की जानकारी दी गई। जिस पर सीएम ने तुरंत सक्रिय हुए। उन्होंने तत्काल डीजीपी, मुख्य सचिव को काशी विश्वनाथ, मथुरा–वृंदावन संग आयोध्या की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरक्षा एजेंसियों को भी एक्टिव मोड पर कर दिया गया। सीएम ने खुद ही तीनों शहरों के डीएम व कमिश्नर से सीधे बात कर सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा ही नहीं की, बल्कि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी व जरूरत होने पर तत्काल डीजीपी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। दिल्ली में हुई घटना के आधार पर संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही हाई अलर्ट घोषित करते हुए डीएम व एसपी को भी जिलों में गहन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। सीएम देर रात तक मीटिंग के बाद हर गतिविधि की पल–पल जानकारी लेते रहे। सीएम ने सीधे कहा कि किसी भी दशा में सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए। हर संदिग्ध लोगों की जांच करने के बाद ही तीनों मंदिरों में प्रवेश दिया जाए। प्रदेश के 75 जिलों के डीएम व एसपी की ओर से अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम सीधे भी जिले के अधिकारियों से संचार मध्यम से जुड़ते रहे। रात करीब 12 बजे डीजी इंटेलिजेंस संग अन्य सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों से वर्चुअली रिव्यू मीटिंग की।

स्कूली बच्चों को अब श्बुकेश्नही मिलेगी बुक

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के स्कूलों में अब छात्रों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने की एक नई पहल शुरू की गई है। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब स्कूलों , पुस्तकालयों में होने वाले विशेष कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं या सांस्कृतिक आयोजनों में फूलों के बुके या ट्रॉफी की जगह किताबें भेंट की जाएंगी। यह अभियान बुके नहीं, बुक दें नाम से शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना और उन्हें मोबाइल या डिजिटल उपकरणों से दूर रखकर ज्ञानवर्धक पुस्तकों की ओर आकर्षित करना है।अब जब किसी छात्र को किसी प्रतियोगिता में पुरस्कार मिलेगा या किसी कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत किया जाएगा, तो उन्हें पुष्पगुच्छ की जगह प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद पुस्तकें दी जाएंगी। यह बदलाव प्रतीकात्मक नहीं बल्कि एक गहरा शैक्षिक संदेश लेकर आया है, ज्ञान का सच्चा सम्मान पुस्तक से ही है। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने जिलों के शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। शिक्षकों, पुस्तकालय कर्मियों से कहा है कि वे स्वयं पुस्तकें पढ़ें और उनके सारांश को कक्षा में बच्चों के साथ साझा करें। शिक्षकों की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वे बच्चों में पढ़ने की प्रेरणा भी जगाएंगे।

मायबिज बाय मेकमायट्रिप और स्विगी के बीच गठबंधन

लखनऊ,संवाददाता। मेकमायट्रिप के एसएएएस–आधारित कॉरपोरेट बुकिंग प्लेटफॉर्म मायबिज और भारत के अग्रणी ऑन–डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म स्विगी ने आज एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग का उद्देश्य देश भर में लाखों कॉरपोरेट यात्रियों के लिए भोजन से जुड़े व्यय प्रबंधन को सरल और सुव्यवस्थित बनाना है। टेक–प्रथम दृष्टिकोण के साथ मायबिज भारत में कॉरपोरेट यात्रा के प्रमुख प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित है और 75,000+ कॉरपोरेट्स और एसएमई को सेवाएँ प्रदान करता है। मेकमायट्रिप के सह–संस्थापक और ग्रुप सीईओ श्री राजेश मागो ने कहा मायबिज ने लगातार उन परिचालन चुनौतियों को हल करके उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाई है जो कंपनियों के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। इस साझेदारी के माध्यम से स्विगी के विस्तृत रेस्तरां नेटवर्क और डिलीवरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मायबिज के कॉरपोरेट ट्रैवल इकोसिस्टम से जोड़कर हम व्यावसायिक यात्रा के दौरान भोजन व्यय प्रबंधन की जटिलताओं को सरल बना रहे हैं।

हमारा उद्देश्य कॉरपोरेट यात्रा को कर्मचारियों और वित्त टीमों दोनों के लिए शुरू से अंत तक अधिक सहज और सुविधाजनक बनाना है। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के सीईओ श्री रोहित कपूर ने कहा व्यावसायिक यात्रा करने वाले जानते हैं कि कठिनाई अक्सर बैठक में नहीं बल्कि भोजन की व्यवस्था और उसके खर्च की रसीदों को संभालने में होती है। मायबिज के साथ यह साझेदारी इस परेशानी को दूर करती है। अब बिजनेस ट्रैवलर्स स्विगी के विशाल नेटवर्क से कहीं भी भोजन मंगवा सकते हैं या शहर में अपने पसंदीदा रेस्तरां में भोजन कर सकते हैं और भुगतान सीधे मायबिज वॉलेट से हो जाएगा। एक बार कॉरपोरेट आईडी से ऑथेंटिकेशन हो जाने पर पूरी प्रक्रिया बिल्कुल सामान्य स्विगी ऑर्डर जैसी ही होती है चेकआउट से पहले बस कॉर्पोरेट मोड चुनना होता है। यह एक सरल लेकिन प्रभावी समाधान है जो समय की बचत करता है झंझट कम करता है और व्यावसायिक यात्रा को और अधिक सुगम बनाता है। उड़ान, होटल, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और ट्रैवल इंश्योरेंस जैसी जटिल यात्रा श्रेणियों को सुव्यवस्थित करने के बाद, अब मायबिज और स्विगी मिलकर व्यवसायिक यात्राओं में भोजन खर्च, जो भारत के कॉरपोरेट यात्रा व्यय का 11 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, को सरल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इस साझेदारी के तहत, कॉरपोरेट यात्री स्विगी ऐप पर 'स्विगी फॉर वर्क' के माध्यम से भोजन का ऑर्डर कर सकते हैं और भुगतान सीधे मायबिज कॉरपोरेट वॉलेट से कर सकते हैं। यह सुविधा 720 से अधिक शहरों में 2.6 लाख से अधिक रेस्तरां पर डिलीवरी और 50 से ज्यादा शहरों में 40,000 से अधिक स्विगी डाइन आउट पार्टनर रेस्तरां में डाइन–आउट तक विस्तार पाती है। इस एकीकृत समाधान की मुख्य विशेषता है "बिल टू कंपनी" फीचर, जो व्यक्तिगत भुगतान और रसीदों के प्रबंधन की आवश्यकता को समाप्त कर देता है। सभी लेन–देन स्वतः ही कंपनी के व्यय प्रबंधन सिस्टम में दर्ज हो जाते हैं, जिससे फाइनेंस टीम को वास्तविक समय में स्पष्ट दृश्यता मिलती है और कॉरपोरेट यात्रा नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित होता है। कर्मचारियों के लिए इसका उपयोग करना भी बेहद सरल है, उन्हें केवल एक बार अपनी कॉरपोरेट आईडी से ऑथेंटिकेशन करना होता है, जिसके बाद वे तुरंत इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। 'स्विगी फॉर वर्क' के 'बिल कंपनी' फीचर के अलावा, उपयोगकर्ताओं को स्विगी के कॉरपोरेट रिवॉर्ड्स प्रोग्राम के तहत फूड, डाइनआउट और इंस्टामार्ट सहित सभी यूनिट्स पर विशेष रिवॉर्ड्स और ऑफर्स मिलेंगे। यह प्रोग्राम मई में 30 से अधिक शहरों के 7,000 टेक पार्कों में लॉन्च किया गया था और इसे अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। केवल छह महीनों में, यह बढ़कर 27,000 से अधिक कॉरपोरेट्स और 2.5 लाख से अधिक प्रमाणित उपयोगकर्ताओं तक पहुँच गया है।

राज्य की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी में बड़ा भागीदार बनेगा पर्यटन विभाग

- कम खर्च में सर्वाधिक आय वाला महकमा सिर्फ टूरिज्म डिपार्टमेंट
- पर्यटन विभाग अब सफेद हाथी नहीं
- पहले न कोई नीति थी न रीति–जयवीर

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य में बड़ा भागीदार पर्यटन विभाग बनने जा रहा है। कम खर्च में सर्वाधिक आय वाला महकमा सिर्फ टूरिज्म डिपार्टमेंट ही है।उत्तर प्रदेश की ओर देशी ही नही विदेशी पर्यटकों का रूख प्रमाण है। पर्यटन विभाग अब सफेद हाथी नही रहा। आज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बनकर उभरा है। पहले यह महकमा पहचान का मोहताज था,इस महकमे में क्या–क्या होता है और क्या–क्या हो सकता है, आमजन को पता ही नही था। जबसे यूपी में योगी सरकार आई तबसे पर्यटन विभाग से लोगों का जुड़ाव शुरू हुआ। आज हालत यह है कि यह पर्यटन विभाग बड़ा राजस्व अर्जन वाला विभाग बन गया है। एक पर्यटक आता है तो सीधे कम से कम आधा दर्जन लोगों की आमदनी होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा हिस्सेदार बनने जा जा रहा है पर्यटन विभाग। देश विदेश के पर्यटन यूपी की ओर आकर्षित हुए हैं, यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह दावा मीडिया से मुखातिब प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने किया। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की वर्तमान उपलब्धियों में पर्यटन से सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान, यात्रा और पर्यटन में रोजगार सृजन, और विश्व आर्थिक मंच के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक में 39वें स्थान पर आना शामिल है। सरकार वेलनेस, ईको, ग्रामीण और आध्यात्मिक जैसे आधुनिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, और प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ परिपथों का विकास कर रही है। 2027 तक 10 फीसदी वार्षिक क्षेत्रीय वृद्धि और पर्यटन से राज्य की जीडीपी में 15 फीसदी योगदान का लक्ष्य है।पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य है।सरकार चिकित्सा पर्यटन, ईको–टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे आधुनिक आयामों को बढ़ावा दे रही है।ग्रामीण पर्यटन के विकास पर भी ध्यान केंद्रित है, जिसमें ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, कुशीनगर और गोरखपुर जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। रामायण परिपथ, व्रज परिपथ और बौद्ध परिपथ जैसे परिपथों का विस्तार हुआ है। प्रमुख सड़कों के किनारे ढाबे और फूड कोर्ट विकसित किए जा रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा कि पहले कोई न नीति थी न रीति। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 को लागू किया है। एआई तकनीक की मदद से पर्यटकों की गिनती की जा रही है।राज्य के होटलों और रिसॉर्ट के लिए स्टार वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए जीआई टैग और ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा दिया है। हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने की कोशिश की है। स्थानीय कलाकारों का रजिस्ट्रेशन शुरू किया है।

संक्षिप्त समाचार

योगी एक्शन,गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

लखनऊ,संवाददाता। गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी यानि बीएसए अतुल कुमार तिवारी को अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने उनके खिलाफ अनुशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं। कार्रवाई मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल और जिलाधिकारी गोंडा की संस्तुति पर हुई है। जांच में पाया गया कि बीएसए द्वारा विद्यालयों में बच्चों के लिए डेस्क आपूर्ति के टेंडर में भारी अनियमितताएं की गईं। कुछ टेंडरदाताओं से 10 लाख रुपये की वसूली कर विशेष कैटलाग पर बिड प्रकाशित कराई गई थी, जो तकनीकी मानकों और जेम पोर्टल के नियमों के पूरी तरह विपरीत थी। यह प्रक्रिया राज्य परियोजना निदेशक द्वारा तय एसओपी के भी खिलाफ पाई गई। बीएसए पर योजनाओं, कार्यक्रमों को समय पर पूरा न करने, शासनादेशों का पालन न करने, गलत पत्रावलियां प्रस्तुत करने, कार्य की निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप भी लगे हैं। उन्होंने डीएम और सीडीओ के निर्देशों की भी अनदेखी की थी। इन सभी आरोपों के प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर शासन ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली के तहत निलंबित किया है।निलंबन के दौरान अतुल कुमार तिवारी को नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा, बशर्ते वे यह प्रमाणित करें कि वे किसी अन्य सेवा या व्यापार में संलग्न नहीं हैं। जांच की जिम्मेदारी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक लखनऊ मंडल को सौंपी गई है।निलंबन अवधि में बीएसए अतुल तिवारी मंडलीयसंयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल से संबद्ध रहेंगे।

लखनऊ जेल में कड़ी हो गई सुरक्षा व्यवस्था

लखनऊ,संवाददाता। दिल्ली धमाके के बाद लखनऊ जेल प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिला कारागार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हाई सिक्योरिटी बैरक में 50 बंदी रखे गए हैं जिनमें 18 आतंक के आरोपी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक अफसरों ने जेल में बाहरी लोगों का प्रवेश अस्थायी रूप से रोका गया है। अंदरूनी बैरकों में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया है। गहन छानबीन शुरू हो गई है। अब जेल में प्रवेश से पहले आधार व पहचान पत्र अवश्य दिखाना होगा। 3650 बंदियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जेलकर्मियों और बंदियों के सामान की सघन जांच की जा रही है।वॉच टॉवर, चहारदीवारी और मुख्य द्वार पर तैनाती बढ़ाई गई है।

यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा व स्वच्छ

लखनऊ,संवाददाता। शहर में आगामी 16 नवम्बर को होने जा रही लखनऊ मैराथन यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा व स्वच्छ लखनऊ की थीम पर आधारित होगी। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईईएमआर) और संस्कृति युवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हो रही यह मैराथन 1090 चौराहा से शुरू होगी। जिसका फ्लैगऑफ एमटीवी रोडीज रणविजय सिंहा करेंगे। आयोजक मुकेश मिश्रा ने बताया कि एस.के. फाइनेंस के सहयोग से हो रही चार किलोमीटर की दौड़ को महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मैराथन की सभी श्रेणियों के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। सभी पंजीकृत धावकों को एक आकर्षक रेस किट, टी–शर्ट, शानदार मेडल और डिजिटल सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। आयोजक मुकेश मिश्रा ने कहा लखनऊ के लिए यह दोहरी खुशी है कि पहले एस.के. मैराथन के साथ यूथ आइकन रणविजय सिंहा भी हैं। रणविजय सिर्फ एक स्टार नहीं हैं, वे एक एटीट्यूड हैं फिटनेस, हिम्मत और जुनून का। उनका हमारे साथ होना यह साबित करता है कि यह मैराथन सिर्फ दौड़ नहीं, बल्कि लखनऊ के युवाओं की ऊर्जा का उत्सव है। हमें पूरा विश्वास है कि रणविजय को अपने बीच पाकर लखनऊ का हर युवा दौड़ेगा लखनऊ की इस मुहिम से पूरे दिल से जुड़ेगा।

अखिलेश यादव ने दिल्ली विस्फोट को लेकर सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली में लालकिला के पास हाल में हुए विस्फोट को लेकर बुधवार को सरकार पर सवाल उठाया तथा खुफिया तंत्र की विफलता का आरोप लगाते हुए संबंधित विभागों से जवाबदेही की मांग की। अखिलेश यादव ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हमने भूटान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बयान सुना, जहां उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि बार–बार खुफिया तंत्र की विफलताएं क्यों हो रही हैं? ऐसी चूक के लिए कौन जिम्मेदार है?'' उन्होंने कहा कि सरकार को या तो इन विफलताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए। बिहार विधानसभा चुनाव के हालिया 'एग्जिट पोल' पर टिप्पणी करते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि ये विपक्षी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने के इरादे से किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''एग्जिट पोल एक एजेंडे के तहत हमारा मनोबल गिराने के लिए किए जा रहे हैं। हमने अपने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

आम के पेड़ से फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के बख्शी का तालाब (बीकेटी) इलाके में मदारीपुर दुर्गा मंदिर के पास बुधवार को एक व्यक्ति ने आम के पेड़ से फंदे लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान बीकेटी थाना क्षेत्र के रामपुर देवराय निवासी जगदीश सिंह के बेटे ज्ञानेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के रूप में हुई है। घटना का पता सुबह करीब 8.50 बजे चला जब स्थानीय निवासी रामऔतार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से शव को नीचे उतारा। उन्होंने बताया कि जांच के लिए फील्ड यूनिट टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24 / 298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इनसे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।